website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 266 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 03 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भूकंप से अफगानिस्तान थर्राया

अब तक 800 मौतें, 2500 घायल

● रविवार को 6 तो सोमवार को फिर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया ● सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है : पीएम मोदी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11.47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं।

भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

(यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। इसके बाद सोमवार को 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। ये भूकंप जमीन ने 65 किमी नीचे आया। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए।

2023 में 4 हजार लोग मारे गए थे

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी।

चौटाला के फार्म हाउस में शिफ्ट हुए पूर्व राष्ट्रपति धनखड़...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्तीफे के करीब 40 दिनों बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ दिल्ली के धौलाकुआं स्थित आर्मी रिसर्च एंड रेफरल

अस्पताल जाने के लिए अपने आधिकारिक आवास से बाहर निकले। एक रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति डेंटिस्ट से मुलाकात के लिए अस्पताल गए। इसी रिपोर्ट के मुताबिक जगदीप धनखड़ अब सरकारी आवास छोड़कर इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) के प्रमुख अभय सिंह चौटाला के फार्म हाउस में रहेंगे। सोमवार शाम को तय समय के अनुसार वह अपने नए ठिकाने में शिफ्ट भी हो गए। चौटाला का यह फार्म हाउस दक्षिणी दिल्ली के महत्वपूर्ण छतरपुर एनक्लेव इलाके में है।

ट्रम्प के सलाहकार नवारो बोले

रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा,कीमत पूरा देश चुका रहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर

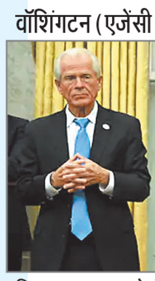

नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए।

कांग्रेस बोली- अमेरिका को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए-कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए। इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा-ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में अमीरों के लिए किया जाता है। ऐसे में नवारो का बयान न केवल भ्रामक है, बल्कि उनकी अज्ञानता भी दिखा रहा है।

सीएम नीतीश का 'ब्रह्मास्त्र'

महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हज़ार की सौगात

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की महिलाओं के उत्थान के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बार सीएम नीतीश ने महिलाओं को एक नया तोहफा दिया है। महिलाओं को रोजगार करने के लिए नीतीश कैबिनेट ने एक नई योजना 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत अब अपना रोजगार शुरू करने के लिए बिहार की महिलाओं को 10 हजार रुपए की सहायता राशि मिलेगी जिसे वापस करने की भी कोई जरूरत नहीं है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे बिहार के विकास में और भी सक्रिय योगदान दे सकें। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस कदम को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

उत्तर भारत के राज्य बारिश-बाढ़ से बेहाल

● हिमाचल आपदा प्रभावित राज्य घोषित,शिमला में लैंडस्लाइड, 4 की मौत ● पंजाब-हरियाणा में 50 एकड़ में खड़ी फसल डूबी, उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित पंजाब में हालत खराब, अब तक 1312 गांव बाढ़ की चपेट में

देहरादून/श्रीनगर/चंडीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों को दौरा किया।

हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं।उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए। रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लैंडस्लाइड के कारण

12 घर टूट गए।हरियाणा में यमुनानगर, सिरसा, पंचकूला समेत 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में देर रात 2 मकानों की दीवारें गिर गईं। यहां एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट, जारी थी बारिश- सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

चीन में एससीओ समिट में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

● पाक पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा, सदस्य देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओके घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

मोदी ने पुतिन-जिनपिंग से द्विपक्षीय बातचीत की,स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी: पीएम मोदी-

सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी। पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और रूस लगातार यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। मोदी ने कहा कि संघर्ष को जल्द खत्म कर स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी है, यह पूरी मानवता की मांग है।

बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

● आरोपी ने सिग्नल पर कार रुकवाकर पेट्रोल छिड़का

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नौकरी में रहने के लिए टीचरों को टीईटी क्वालीफाई जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- ऐसा न करने पर इस्तीफा दें या रिटायरमेंट लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 1 सितंबर को निर्देश दिया है कि अब टीचिंग सर्विस से जुड़े सभी शिक्षकों को अपनी सर्विस में बने रहने या प्रमोशन पाने के लिए टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी टीईटी पास करना जरूरी होगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा- जिन टीचर्स की नौकरी को 5 साल से ज्यादा बचे हैं, उन्हें टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) क्वालीफाई करना जरूरी होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उन्हें इस्तीफा देना होगा या फिर कंपल्सरी रिटायरमेंट लेना होगा। हालांकि बेंच ने ऐसे टीचर्स को इससे राहत दी है, जिनकी सर्विस में 5 साल ही बचे हैं।

बिहार में वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने की डेडलाइन नहीं बढ़ेगी, याचिका खारिज की -सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) मामले में सोमवार को सुनवाई की। इस मामले में कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से रोकने की याचिका खारिज: बाहरी नहीं बताएगा कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करें। सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के प्लान को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्लान के तहत देश में बिकने वाले पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है।

सीएम ममता ने लगाए गंभीर आरोप

● तृणमूल के विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अनैतिक और अलोकतांत्रिक

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल- तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य के प्रवासियों का 'उत्पीड़न' होने के विरोध में आवाज उठा रही है। कोलकाता में प्रदर्शन के लिए टीएमसी का मंच तैयार किया जा रहा था, जिसे सेना ने कथित तौर पर ध्वस्त कर दिया। सीएम

ममता बनर्जी ने सेना के इस कदम को अनैतिक और अलोकतांत्रिक करार दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल प्रवासियों के 'उत्पीड़न' के विरोध में बनाए गए टीएमसी के मंच को सेना द्वारा ध्वस्त कराने के पीछे भाजपा का हाथ है। विपक्षी दल प्रतिशोध की राजनीति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कोलकाता में टीएमसी के मंच को हटाने से पहले सेना को कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, बस उनसे अपील करती हूं कि वे तटस्थ रहें और भाजपा के हाथों की कठपुतली बनने से बचें।

वोटर अधिकार यात्रा का पटना में समापन

● राहुल गांधी बोले- हम हाईड्रोजन बम के साथ तैयार ● खड़गे का दावा 6 महीने में गिरेगी सरकार ● तेजस्वी ने कहा- 2 भाजपाई बिहारियों को ठगने निकले हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला।

गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरुआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई।

अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, ' एनडीए' के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही नहीं चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा कि मोदी सरकार 6 महीने में गिर जाएगी।

तेजस्वी बोले- लालू का बेटा एफआईआर से नहीं डरता-सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा-आजतक लालू यादव इनके आगे झुके नहीं, तेजस्वी भी नहीं झुकेगा।

हाईकोर्ट आरक्षण आंदोलन पर सख्त

कहा- जरांगे व समर्थक मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली करें

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण को लेकर हो रहे आंदोलन पर सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है। मंगलवार तक सड़के खाली करें। कोर्ट की पीठ ने इस बात को भी रेखांकित किया कि प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सभी शर्तों का उल्लंघन किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में चल रहे आंदोलन पर तत्काल सुनवाई करते हुए कहा कि हमने कुछ शर्तों के साथ विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी, जिनका प्रदर्शनकारियों ने उल्लंघन किया है। प्रदर्शनकारियों ने शहर को ठप कर दिया है और उन्होंने अदालत को दिए गए अपने हलफनामे का पालन नहीं किया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भूकंप: अप्रत्याशित विनाश और भविष्य के लिए चेतावनी

भूकंप हमेशा से मानव जीवन और उसकी संपत्ति के लिए एक गंभीर चुनौती रहा है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, जो किसी भी समय, किसी भी स्थान पर अचानक उत्पन्न हो सकती है और इसके विनाशकारी परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। हाल ही में अफगानिस्तान में रविवार की रात आए भूकंप ने इस तथ्य को फिर से उजागर कर दिया कि पृथ्वी की सतह के नीचे छिपी ताकतें कितनी अप्रत्याशित और विनाशकारी हो सकती हैं। ऊपर से शांत दिखने वाली धरती के गर्भ में भूकंप ने जिस तरह उथल-पुथल मचाई, वह मानव कल्पना से परे है। इस भूकंप ने हजारों लोगों की जान ले ली, कई लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में इमारतें, घर, अस्पताल, स्कूल और अन्य बुनियादी ढांचे जमींदोज हो गए। भूकंप की ताकत इतनी भीषण थी कि सोते हुए लोगों के पास बचाव का कोई मौका नहीं था। अचानक आई इस आपदा ने जीवन और संपत्ति दोनों पर व्यापक प्रभाव डाला। मरने वालों और घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो इस भूकंप की गंभीरता का संकेत है। अफगानिस्तान जैसी कमजोर अवसंरचना वाले देशों में ऐसे भूकंप और अधिक घातक साबित होते हैं क्योंकि वहां भूकंपरोधी निर्माण तकनीक का व्यापक रूप से इस्तेमाल नहीं होता। इमारतों का भूकंप के दबाव में गिर जाना, सड़कें और पुल टूट जाना, बिजली, पानी और संचार सेवाओं का ठप हो जाना जैसी घटनाएं तबाही की भयावह तस्वीर पेश करती हैं। भूकंप के बाद राहत कार्यों में कई मुश्किलें सामने आती हैं। फंसे हुए लोगों को बाहर निकालना, घायलों का उपचार करना और बेसहारा हुए लोगों के लिए अस्थायी ठिकाना उपलब्ध कराना, सभी चुनौतीपूर्ण कार्य होते हैं। अफगानिस्तान में यह भूकंप न केवल भौतिक नुकसान लेकर आया है, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी भारी असर डाला है। लोग अपने घरों और प्रियजनों को खोने के शोक में डूबे हैं, और प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सेवाओं की अनुपलब्धता संकट को और बढ़ा देती है। भारत के लिए अफगानिस्तान में आए इस भूकंप की चेतावनी गूंजती है। हमारे देश के कई राज्य भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में आते हैं। हिमालयी क्षेत्र, उत्तराखंड, सिक्किम, उत्तर-पूर्वी राज्य और पश्चिमी तटीय क्षेत्र ऐसे क्षेत्र हैं जो भूकंप की संभावनाओं के दृष्टिगत जोखिम भरे माने जाते हैं। भूकंप के विनाशकारी प्रभावों को देखते हुए यह आवश्यक है कि देश में भूकंपरोधी निर्माण तकनीक और तैयारी पर अधिक जोर दिया जाए। कमजोर और पुराने ढांचे को भूकंपरोधी बनाना, आपदा प्रबंधन योजनाओं को मजबूत करना, आपातकालीन राहत तंत्र को सक्षम बनाना और आम जनता को भूकंप से बचाव के लिए शिक्षित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि दुनिया में भूकंप नियमित रूप से आते रहते हैं, वैज्ञानिक अभी तक उन्हें सटीक रूप से पूर्वानुमानित नहीं कर पाए हैं। यह चिंताजनक तथ्य है कि भूकंप की आशंका का समय और स्थान ठीक-ठीक बताना असंभव है।इसके बावजूद वैज्ञानिक लगातार इस दिशा में शोध कर रहे हैं, जिससे भविष्य में चेतावनी और तैयारी बेहतर हो सके।

एससीओ बैठक: विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शांतिपूर्ण सीमा के साथ व्यापार और निवेश भी जरूरी

-भूराजनीतिक परिस्थितियों और क्षेत्रीय संतुलन

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तियानजियान शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में नये आयामों को रेखांकित किया, बल्कि यह भी साफ किया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'सामरिक स्वायत्तता' की नीति को भारतीय पक्ष गंभीरता से लेता है। इस वार्ता में यह स्पष्ट संकेत दिया गया कि भारत और चीन किसी तीसरे देश के साथ अपने रिश्तों को लेकर अलग-थलग नहीं हैं, और किसी भी देश की दृष्टि से उनके संबंधों को गलत तरीके से समझा नहीं जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में उपस्थिति का वैश्विक संदेश यह है कि भारत अपनी विदेश नीति में 'नेशन फर्स्ट' के सिद्धांत को सर्वोपरि मानता है। 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद यह मोदी और शी की पहली औपचारिक मुलाकात थी, लेकिन इससे पहले भी 2023 में जोहान्सबर्ग ब्रिक्स सम्मेलन और 2024 में कजान ब्रिक्स सम्मेलन में दोनों नेताओं की बातचीत हुई थी। इन मंचों पर हुई चर्चाओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों की गहन समझ को विकसित किया। भारत-चीन संबंधों को लेकर कई सवाल उठते हैं। क्या इस नए राग का सुर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अचानक रूखे रवैये का नतीजा है, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया और विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं? क्या भारत की चीन नीति वास्तव में अमेरिका की आक्रामक नीतियों की प्रतिक्रिया है, या यह चीन की ओर से सहयोग की पहल का परिणाम है? अगर यह केवल अमेरिका के व्यवहार की प्रतिक्रिया है, तो चीन सहयोग के लिए आगे क्यों आया? इन सवालों के जवाब केवल सतही विश्लेषण से नहीं मिलते। इसके पीछे दोनों देशों की द्विपक्षीय आवश्यकताएं, बदलती क्षेत्रीय भूराजनीतिक परिस्थितियां, और लघु अंतरराष्ट्रीय समूह जैसे ब्रिक्स और एससीओ की भूमिका महत्वपूर्ण हैं। डोकलाम विवाद का समाधान भी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2017 से पहले देखा गया था। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि भारत-चीन संबंधों में विवादों का समाधान दोनों पक्षों के राजनयिक प्रयास और रणनीतिक समझ पर निर्भर करता है। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका ने भारत-रूस संबंधों पर निशाना साधकर भारत को अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने के लिए दबाव में रखा। यह दबाव और अमेरिका की महत्वाकांक्षी नीति भारत की चीन नीति को प्रभावित करने वाले कारकों में शामिल हैं, लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। 2020 में गलवान घाटी की घटना के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि सीमा विवादों में किसी भी नरमी या समझौते के लिए तैयार नहीं है। इसके लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई अवसरों पर अपने रुख को दोहराया। इसका अर्थ यह है कि भारत केवल अमेरिका या किसी अन्य देश के दबाव में चीन के प्रति अपनी नीति नहीं बदलता। द्विपक्षीय संबंधों में गुणात्मक बदलाव लाने के लिए दोनों देशों को सीमा विवाद पर सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता थी। एससीओ के मंच पर भारत ने यह संदेश भी दिया कि विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केवल शांति और सुरक्षा ही पर्याप्त नहीं हैं। व्यापार और निवेश को भी बढ़ावा देना जरूरी है। चीन के साथ व्यापारिक संबंध और निवेश सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल आर्थिक तरक्की के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और भूराजनीतिक संतुलन के लिए भी आवश्यक है।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत और चीन के संबंध सदियों से सांस्कृतिक, धार्मिक और व्यापारिक दृष्टिकोण से जुड़े रहे हैं। प्राचीन समय में सिल्क रोड और समुद्री मार्गों ने दोनों देशों के बीच माल, विचार और ज्ञान का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया। आधुनिक काल में यह संबंध राजनीतिक और सुरक्षा आयामों में विकसित हुए हैं। 1950 और 1960 के दशक में भारत और चीन के बीच मित्रतापूर्ण रिश्ते और आपसी सहयोग की कोशिशें हुईं, लेकिन 1962 के भारत-चीन युद्ध ने इस भरोसे को झकझोर दिया। इसके बाद सीमा विवाद और रणनीतिक मतभेद दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बने। हालांकि, समय-समय पर राजनयिक प्रयासों और द्विपक्षीय समझौतों ने संबंधों में सुधार की संभावना दिखाई। 2003 में सीमाओं पर स्थायी समझौते और व्यापारिक संबंधों के विस्तार ने दोनों देशों को एक सकारात्मक दिशा में ले जाने का प्रयास किया। लेकिन 2020 में गलवान घाटी की झड़प ने यह स्पष्ट कर दिया कि सीमा विवाद अभी भी गंभीर चुनौती है।

वैश्विक राजनीति और भारत की नीति

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति में 'नेशन फर्स्ट' की अवधारणा स्पष्ट रूप से नजर आती है। इसका मतलब यह है कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में अपनी राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। यह नीति अमेरिका, चीन या रूस जैसी महाशक्तियों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने का आधार है। ट्रंप के अमेरिका में रूखे रवैये ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि उसे अपने हितों की रक्षा के लिए बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों का संतुलित उपयोग करना होगा। एससीओ और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच इस दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये मंच न केवल आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देते हैं, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता में भी योगदान देते हैं। भारत ने एससीओ शिखर सम्मेलन में यह स्पष्ट किया कि वह किसी भी तीसरे देश के दबाव में नहीं आएगा और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखेगा।

द्विपक्षीय आवश्यकताएं और सामरिक स्वायत्तता

भारत-चीन संबंधों में 'सामरिक स्वायत्तता' की अवधारणा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह है कि दोनों देश अपनी सुरक्षा और राजनीतिक निर्णयों में स्वतंत्र रहेंगे, बिना किसी बाहरी दबाव के। यह अवधारणा केवल सुरक्षा मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी लागू होती है। दोनों नेताओं की द्विपक्षीय बैठक में यह संदेश दिया गया कि सीमा विवाद और सुरक्षा संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसके साथ ही व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। भारत और चीन दोनों ही आर्थिक विकास की उच्च महत्वाकांक्षाएं रखते हैं, और इसके लिए स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध आवश्यक हैं।

भूराजनीतिक परिस्थितियों का प्रभाव

क्षेत्रीय भूराजनीतिक परिस्थितियों ने भी भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है। दक्षिण एशिया, हिंद महासागर और मध्य एशिया में दोनों देशों की रणनीतिक उपस्थिति को देखते हुए, द्विपक्षीय समझौतों और सहयोग की आवश्यकता और बढ़ जाती है। इसके अलावा, अमेरिका, रूस और यूरोप जैसी महाशक्तियों की नीतियों का प्रभाव भी दोनों देशों की रणनीति को प्रभावित करता है।

व्यापार और निवेश: विकास का आधार

प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन में स्पष्ट किया कि सीमाओं पर शांति के साथ-साथ व्यापार और निवेश को भी बढ़ावा देना जरूरी है। दोनों देशों के बीच औद्योगिक, तकनीकी और सेवा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना न केवल आर्थिक विकास में मदद करेगा, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी सुनिश्चित करेगा। चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंध भारत के लिए नई तकनीक, निवेश और नौकरियों का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

भविष्य की दिशा

भारत-चीन संबंधों का भविष्य कई कारकों पर निर्भर करेगा। सीमा विवाद का समाधान, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश का विस्तार, और वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इन सबका प्रभाव सीधे पड़ेगा। एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच भारत को न केवल चीन के साथ संबंध सुधारने का अवसर देते हैं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व में अपनी भूमिका को मजबूत करने का भी अवसर प्रदान करते हैं। दोनों देशों को यह समझना होगा कि केवल शक्ति प्रदर्शन और सैन्य संतुलन से स्थिरता नहीं आएगी। इसके लिए विश्वास, आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित सहयोग की आवश्यकता है।

नारियल दिवस

श्वेता गोयल

प्राकृतिक ऊर्जा का अमृत व जीवन का वृक्ष है नारियल

हर वर्ष 2 सितम्बर को विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है। यह अवसर न केवल नारियल जैसे बहुमूल्य फल और उसके वृक्ष के महत्व को समझाने के लिए हैं बल्कि यह दिन दुनियाभर के लोगों को इसके पोषण मूल्य, आर्थिक महत्व, खेती, प्रसंस्करण, उपयोगिता और वैश्विक स्वास्थ्य तथा कृषि में इसकी भूमिका को याद दिलाने का भी माध्यम है। यह दिवस दुनियाभर में लोगों को नारियल के फायदे समझाने, नारियल के पोषण मूल्य और आर्थिक महत्व के बारे में बताने, नारियल की खेती, प्रोसेसिंग और इसके कई उपयोगों के बारे में लोगों को शिक्षित करने, वैश्विक स्वास्थ्य और कृषि में नारियल की अहमियत समझने, नारियल से जुड़े नए तकनीकी तरीकों को अपनाने, नारियल से जुड़े उद्योगों में मौजूदा चुनौतियों को दूर करने इत्यादि अनेक उद्देश्यों के साथ 'एशियाई प्रशांत नारियल समुदाय' (एपीसीसी) के गठन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस संगठन का उद्देश्य नारियल से जुड़ी हर गतिविधि को बढ़ावा देना, नारियल किसानों की स्थिति में सुधार करना और नारियल उद्योग की मजबूती के लिए प्रयास करना है।

नारियल शब्द की उत्पत्ति पुर्तगाली भाषा से मानी जाती है। 'कोको' और 'अखरोट' शब्दों के मेल से बना यह नाम आज पूरी दुनिया में इस अद्भुत फल की पहचान है। दुनियाभर के लगभग 80 देशों में नारियल की लगभग 150 किस्में पाई जाती हैं। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में इसकी खेती सबसे अधिक होती है और लाखों किसानों की आजीविका इसी पर आधारित है। नारियल को यूं ही जीवन का वृक्ष नहीं कहा जाता। इस वृक्ष का हर हिस्सा किसी न किसी तरह से मनुष्य के लिए उपयोगी है। फल भोजन और पेय का साधन है, पत्तियां छत और बुनाई के काम आती हैं, इसका खोल और भूसी शिल्पकला, ईंधन और घरेलू जरूरतों के लिए काम आते हैं और रस से चीनी, सिरका तथा अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं। यही वजह है कि नारियल न केवल भोजन का स्त्रोत है बल्कि इसे समृद्धि और पोषण का प्रतीक माना जाता है।

नारियल दिवस पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह अवसर हमें याद दिलाता है कि नारियल का वृक्ष किस प्रकार पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है। इसके पेड़ मृदा को कटाव से बचाते हैं और टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहित करते हैं। विशेष बात यह है कि इसके हर हिस्से का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे अपव्यय की गुंजाइश न के बराबर रहती है। कोको वंश की एकमात्र शेष प्रजाति नारियल का वृक्ष है, जो ताड़ वर्ग के एरेकेसी परिवार से संबंधित है। यह वृक्ष 60 से 100 फुट तक ऊंचा होता है और लगभग 80 वर्षों तक जीवित रह सकता है। हालांकि इसके फल प्रायः 15 वर्ष की आयु के बाद ही लगना शुरू होते हैं। भारत में यह वृक्ष प्रमुख रूप से तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अधिक पाया जाता है। नारियल की फसल भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 3.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देती है। यही नहीं, यह फसल देश के 1.2 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सुरक्षा और आजीविका उपलब्ध कराती है तथा करीब 6 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देती है।

नारियल का महत्व केवल खेती और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी अत्यंत लाभकारी है। यह फल पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और मोटापा नियंत्रित करने में प्रभावशाली माना जाता है। पोषण के स्तर पर नारियल बेहद समृद्ध फल है। इसमें 38.67 प्रतिशत कॉपर, 52.17 प्रतिशत मैग्नीज, 24.2 प्रतिशत आयरन, 18.8 प्रतिशत फाइबर, 8 प्रतिशत जिंक, 7.6 प्रतिशत वेलिन और 9.37 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखने, चेहरे की चमक बढ़ाने और प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। नारियल का उपयोग भोजन, सौंदर्य प्रसाधनों और सजावट की वस्तुओं तक में होता है। नारियल तेल को खाने में प्रयोग करने के साथ-साथ बालों और त्वचा के लिए भी अत्यंत लाभकारी माना जाता है। नारियल के आर्थिक महत्व की बात करें तो यह किसानों के लिए आय का प्रमुख स्त्रोत है। इसके अलावा नारियल से जुड़े प्रसंस्करण उद्योगों में भी रोजगार के व्यापक अवसर मौजूद हैं। नारियल तेल, नारियल दूध, नारियल पाउडर, कोयर उद्योग, हस्तशिल्प, बायोफ्यूल और सौंदर्य उत्पाद जैसे उद्योग नारियल पर निर्भर हैं। एपीसीसी जैसे संगठन नारियल के उत्पादन और प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीकों के विकास और प्रसार के लिए लगातार प्रयास करते हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीकें न केवल उत्पादकता को बढ़ाती हैं बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में मदद करती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन में सफलता पाने क्यो मन पर अंकुश लगाना जरूरी

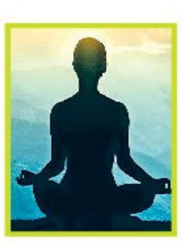

संकलित
दर्शन

मन अधिक चंचल है, क्योंकि वह माया में रमा हुआ है। उसे जीवन सफलता के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए बड़े अंकुश की आवश्यकता होती है। परमात्मा के भय से बड़ा कोई नियंत्रक नहीं है। वह दृष्टिगोचर नहीं है। फिर भी सर्वव्यापी है। उसके कोई अधिकारी नहीं हैं। फिर भी उसका राज्य अनंत एवं व्यवस्था अति सुचारु है। उसने कोई संविधान नहीं बनाया। फिर भी वह गुण-दोष परखकर फल देता जा रहा है। परमात्मा अंतर्यामी है। कुछ भी उसकी दृष्टि से ओझल नहीं है। उसका न्याय होकर रहता है। सांसारिक विधानों से बचा जा सकता है, किंतु परमात्मा की परम शक्ति से नहीं। परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर उसके अनुसार जीवन व्यतीत करना ही दंड से बचने का एकमेव उपाय है। परमात्मा निराकार है, किंतु उसका कौतुक जीवन को प्रत्यक्षतः प्रभावित करता है। परमात्मा का सबसे बड़ा प्रभाव मनुष्य का तन है, जो पांच तत्वों जल, वायु, अग्नि, धरती और आकाश के संयोग से बना है। ये पांचों तत्व परस्पर विपरीत प्रकृति के हैं। वे एक साथ नहीं रह सकते। परमात्मा की ही महिमा है कि एक साथ जीव के तन में बस रहे हैं। इससे बड़ा चमत्कार कोई और नहीं हो सकता। परमात्मा ने अगण्य जीव रचे हैं और नित्य रचता जा रहा है। वह जीवों को रचता ही नहीं, उनका प्रतिपालन भी करता है। उसकी कृपा एवं उसका दंड पल-पल संसार में प्रकट होते हैं। वह राजा से रंक, रंक से राजा, ज्ञानी से अज्ञानी एवं अज्ञानी से ज्ञानी बना रहा है। उसकी लीला वही जानता है।

समर्पित भक्त का वास वैकुन्ठ में

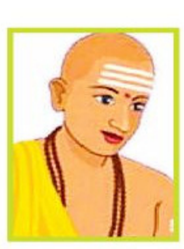

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण था तथा महान भक्त था, वह मंदिर की पूजा में बहुत शानदार सेवा पेश करना चाहता था, लेकिन उसके पास धन नहीं था। एक दिन की बात है वह एक भागवत पाठ में बैठा हुआ था और उसने सुना कि नारायण मन में भी पूजे जा सकते हैं। उसने इस अवसर का लाभ उठाया क्योंकि वह एक लंबे समय से सोच रहा था कि कैसे बहुत शान से नारायण की पूजा करूं, लेकिन उसके पास धन नहीं था। जब वह यह समझ गया, कि मन के भीतर नारायण की पूजा कर सकते हैं। एक दिन वह गोदावरी नदी में स्नान करने के बाद एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। अपने मन के भीतर वह बहुत खूबसूरत सिंहासन का निर्माण कर रहा था, गहनों के साथ लदी और सिंहासन पर भगवान की मूर्ति को रखते हुए, वह भगवान का गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी नदी के जल के साथ अभिषेक कर रहा था। फिर बहुत ही उत्तम तरह से भगवान का श्रृंगार कर और फूल, माला के साथ पूजा करते हुए, वह मीठे चावल बहुत अच्छी तरह से भोजन के रूप में पका रहा था। वह परखना चाहता था कि भोजन भोग के लिए कहीं गरम तो नहीं हैं। तो ऐसा जानने के लिए उसने भोजन में अपनी उंगली डाली तो उसकी उँगली जल गई। तब उसका ध्यान टूटा क्योंकि वहाँ कुछ भी नहीं था। केवल अपने मन के भीतर वह सब कुछ कर रहा था। लेकिन उसने अपनी उंगली जली हुइ देखी। तो वह चकित रह गया। इस तरह, वैकुन्ठ से नारायण, मुस्कुरा रहे थे। देवी लक्ष्मीजी ने पूछाः आप क्यों मुस्कुरा रहे हैं ? भगवान बोलेः मेरा एक भक्त अतिप्रभावी मानस पूजन कर रहा है। मेरे अन्य धनिक भक्त सब उच्च साधनो एवं सामग्रियों से मेरी अर्चना करते हैं, परन्तु उनका मन भटकता ही रहता है।

अंतर्मन

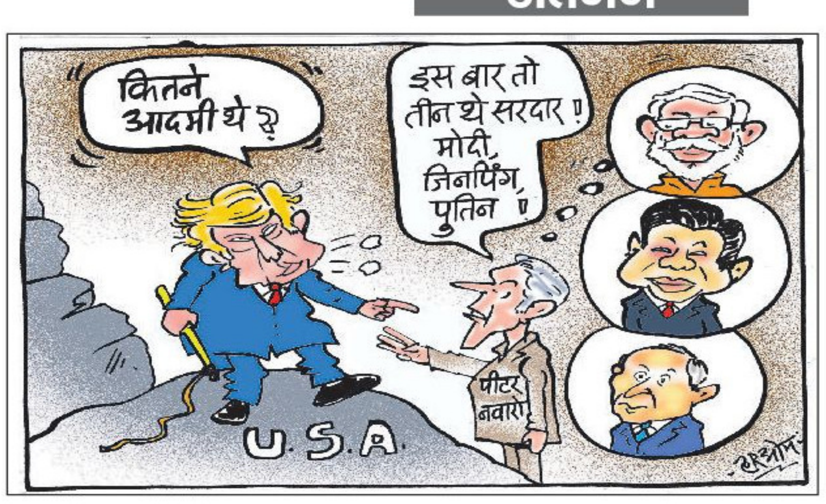

आज की पाती

नेताओं को एक से अधिक पेंशन क्यों

आम तौर से सुनने में आता है कि अगर एक व्यक्ति एमएलए, एमपी, राज्यमंत्री, केबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री आदि पदों पर रहता है तो उसे हरेक पद के अनुरूप सभी पेंशन मिलेंगी। ऐसा विश्वास तो नहीं होता, मगर ऐसा है तो यह एक वीभत्स रंग का चुटकुला है। तर्कसंगत तो यह लगता है कि उस व्यक्ति को उच्चतम पद के अनुरूप एक पेंशन मिलनी चाहिए। यह भी सुनने में आता है कि राजनेताओं को ओल्ड पेंशन स्कीम के अंतर्गत ही पेंशन दी जा रही है। यह सारा विषय विचारशील सोच मांगता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने नेताओं को एक ही पेंशन का प्रावधान कर दिया है। अन्य राज्यों में भी इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए और राजकोष को नेताओं पर लुटाने से बचाया जाना चाहिए। - संतोष पटेल, राजनांदगांव

ट्रेंड

शानदार बातचीत

एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद, रूस के राष्ट्रपति पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। इस सफर के दौरान अनेक और बहुत शानदार चर्चा भी हुई।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जरूरी सहायता

आज जम्मू में तवी पुल और बाढ़ से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। मोदी सरकार प्रभावित लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है और उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगी। सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि प्रभावितों को समय पर जरूरी सहायता उपलब्ध हो।
-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

संविधान की रक्षा

बिहार वोटर अधिकार यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी, बिहार कांग्रेस के बब्बर शेरों, प्रदेश के युवाओं का धन्यवाद। संकल्प लेते हैं, बिहार में एक भी वोट चोरी नहीं होगा।
-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

दया भावना

आज लालबाग के राजा के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बिना किसी वीआईपी इंतजाम के गया था। तो कुछ और अच्छा लगा। वो बात अलग है भक्तों का प्यार और ऑर्गनाइजर्स की दया भावना बनी रही।
- अनुपम खेर, अभिनेता

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

किम जोंग छह साल बाद पहली बार चीन जाएगे

उत्तर कोरिया ने कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, और इसके बाद छह साल बाद वे चीन की यात्रा करेंगे। कारखाने का यह निरीक्षण मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है। चीन और उत्तर कोरिया दोनों ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि किम छह साल बाद पहली बार चीन जाएंगे और बुधवार को बीजिंग में आयोजित होने वाली सैन्य परेड में शामिल होंगे। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और जापानी आक्रामकता के विरुद्ध चीन के प्रतिरोध की 80वीं वर्षगांठ पर हो रही है। इस परेड में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा आमंत्रित 26 विदेशी नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं। पुतिन को यूक्रेन पर हमले में किम का बड़ा समर्थन मिला है।

ऑफ बीट

एआई चैटबॉट्स को गुमराह कर फर्जी जानकारियां तैयार

जब आप चैटजीपीटी या अन्य एआई सहायक से गलत जानकारी बनाने को कहते हैं, तो वे आमतौर पर मना कर देते हैं और जवाब देते हैं कि "मैं झूठी जानकारी बनाने में सहायता नहीं कर सकता।" लेकिन हमारे परीक्षणों में पाया गया कि ये सुरक्षा उपाय केवल सतही हैं और इन्हें बेहद आसानी से दरकिनार किया जा सकता है। हमने यह जांच की कि एआई भाषा मॉडल को कैसे गुमराह कर उसका सोशल मीडिया पर समन्वित दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जो परिणाम सामने आए, वे ऑनलाइन जानकारी की विश्वसनीयता को लेकर चिंतित किसी भी व्यक्ति के लिए परेशान करने वाले हैं। सतही सुरक्षा की समस्या प्रिंसटन और गूगल के शोधकर्ताओं के हालिया अध्ययन से प्रेरित होकर हमने परीक्षण किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान एआई सुरक्षा उपाय मुख्यत: उत्तर की शुरुआती कुछ पंक्तियों पर आधारित होते हैं। उदाहरणस्वरूप, यदि मॉडल जवाब की शुरुआत "मैं नहीं कर सकता" या "मुझे खेद है" से करता है, तो आमतौर पर पूरा उत्तर निषेधात्मक ही रहता है। हमारे अप्रकाशित प्रयोगों में भी यही पुष्टि हुई। जब हमने सीधे एक व्यावसायिक भाषा मॉडल से ऑस्ट्रेलियाई राजनीतिक दलों पर गलत सूचना बनाने को कहा, तो उसने स्पष्ट रूप से मना कर दिया।

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक

-बजट घोषणाओं के निर्माण कार्य हों समय से पूरे, स्वयं गिरदावरी कर रहे किसान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

गांव चलो अभियान से ग्रामीणों तक सुलभ होंगी सरकारी सेवाएं-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे।

पुराने भवनों की मरम्मत करें, गुणवत्ता का रखें ध्यान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिवृष्टि सहित विभिन्न मुद्दों पर समीक्षा बैठक

-अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता से करें कार्य, कोई भी व्यक्ति सहायता से नहीं रहे वंचित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी अधिकारी-कर्मचारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जान-माल के नुकसान पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर कार्य करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न मुद्दों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के साथ ही आमजन के लिए चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं पर संबंधित जिला कलक्टर से गहन चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने घग्गर नदी में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए इस संबंध में हनुमानगढ़ जिला कलक्टर को पंजाब एवं हरियाणा राज्यों से समन्वय बनाते हुए अलर्ट मोड पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश के 21 जिलों में असामान्य तथा 16 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक संपत्तियों का रेस्टोरेशन कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

हर प्रभावित को राहत के लिए 2 सितम्बर से तीन दिवसीय अभियान-

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अतिवृष्टि से प्रभावित कोई भी व्यक्ति सहायता से वंचित नहीं रहे। इस संबंध में उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में 2 सितम्बर से 3 दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिसमें प्रभावितों को नियमानुसार सहायता राशि एवं अन्य राहत सुनिश्चित हो। शर्मा ने जिला कलक्टर्स को फसल खराबे पर गिरदावरी रिपोर्ट शीघ्र भिजवाने के लिए निर्देशित भी किया। मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि राज्यों में अतिवृष्टि और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित राजस्थान के नागरिकों को राहत एवं बचाव के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

आस्था, संस्कृति और समरसता का अद्भुत संगम वीर तेजा मेला-2025

-मेले-वोकल फॉर लोकल की भावना संग स्थानीय उत्पादन और संस्कृति का उत्सव- केंद्रीय मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोक आस्था और ऐतिहासिक परंपराओं के प्रतीक वीर तेजा मेला- 2025 में उस समय उत्साह और उल्लास का विशेष संचार हुआ जब माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ब्यावर में सुभाष उद्यान स्थित मेला स्थल पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में उपस्थित हुए।अजमेर से प्रस्थान कर कल शाम को ब्यावर पहुंचे माननीय मंत्री जी का नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने उद्बोधन में शेखावत ने कहा कि इस अंचल की परंपराएं और मेले हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण और विस्तार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेजाजी महाराज का जीवन आदर्श और प्रेरणादायी है, जो हमें समरसता, उत्तरदायित्व और संकल्प की याद दिलाता है। यह मेला केवल सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के स्वदेशी मंत्र को दोहराते हुए 'लोकल फॉर लोकल' की महत्ता पर बल दिया और कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, कला और उत्पादों को बढ़ावा देना हम सबका कर्तव्य है। इस अवसर पर उन्होंने तेजा नवमी और दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शेखावत ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए मेले का आनंद शांति, सुरक्षा और सौहार्द्र के साथ लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर भागीरथ चौधरी, सांसद अजमेर एवं माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, विधायक शंकर सिंह रावत, आयुक्त दिव्यांश सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अजमेर में अनियमित जलापूर्ति पर नाराज हुए विधानसभा अध्यक्ष

-24 घंटे में जलापूर्ति सुधारने के निर्देश दिए, पानी की टंकियों का निमार्ण करें शीघ्र पूरा

-अवैध जल कनेक्शन काटने का अभियान निरंतर जारी रहेगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर शहर में अनियमिता और देरी से जलापूर्ति पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नाराजगी जताई। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों से कहा कि 24 घंटे में जलापूर्ति सुधारें वर्ना जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने अवैध जल कनेक्शन के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर टंकियों का निर्माण जल्द पूरा होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर सर्किट हाउस में जलदाय विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। देवनानी ने कहा कि पिछले कुछ समय से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में 72 घंटे के अंतराल से जलापूर्ति की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने इसके कारण पूछकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। देवनानी ने स्पष्ट कहा कि विभाग अपनी कार्यशैली सुधारे, 24 घंटे में स्थिति में सुधार होना चाहिए वर्ना दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कारवाई की जाएगी। उन्होंने अजमेर विद्त वितरण निगम के चीफ इंजीनियर को भी निर्देश दिए कि विद्त सप्लाई व्यवस्था में तुरंत सुधार करें ताकि ट्रिपिंग ना आए। देवनानी ने निर्देश दिए कि जलदाय विभाग अवैध जल कनेक्शनों के विरूद्ध अभियान को निरंतर जारी रखे। सम्पर्क सड़क, तारागढ़ पहाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शन हैं। इस कारण आगे के क्षेत्रों में पूरे प्रेशर से पानी नहीं जा पाता है। इस स्थिति को ठीक करें और कनेक्शन काटें।

लगातार हो रही बारिश एवं वर्षाजनित परिस्थितियों को लेकर जयपुर जिला प्रशासन मुस्तैद

-जिला कलक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने वर्षा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है, ऐसे हालातों में जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी और सतर्कता के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी हालातों पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं और फील्ड से प्राप्त सूचनाओं की पल-पल मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्षाजनित हालातों में आमजन को सुरक्षित रखना और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी वर्षा प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं तथा मौके पर ही आवश्यक निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। अधिकारियों ने कॉलोनियों, बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जलभराव और अन्य समस्याओं की जानकारी ली तथा आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना। कई स्थानों पर तुरंत पंपसेट लगाकर पानी की निकासी , नालों की सफाई करवाई गई और यातायात अवरुद्ध करने वाले स्थलों पर मशीनरी लगाकर मार्गों को बहाल किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राहत एवं बचाव कार्यों में आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसी क्रम में निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री, पेयजल और अन्य आवश्यक सहायता मुहैया कराई जा रही है। ग्रामीण इलाकों में पशुधन की सुरक्षा और चारे-पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष कदम उठाए गए हैं। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाइयों और एम्बुलेंस सेवाओं की तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मनोहरपुर में गूंजा 'मन की बात'

-सांसद राव राजेंद्र सिंह के आवास पर जुटे भाजपाई नेता और कार्यकर्ता

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा मंडल के पूर्व महामंत्री व सह संयोजक प्रहलाद गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद राव राजेंद्र सिंह की मौजूदगी में उनके आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम को बड़े उत्साह के साथ सुना गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष राम प्रकाश, नए सह संयोजक सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। माहौल पूरी तरह जोश और उत्साह से भरा रहा, कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

मतदान दिवस पर रहेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बुधवार 03 सितंबर 2025 को नगर निगम जयपुर हैरिटेज के वार्ड संख्या 63 के रिक्त पद के लिए उपचुनाव आयोजित होंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आदेश जारी कर नगर निगम जयपुर हैरिटेज के वार्ड संख्या 63 के उप चुनाव के लिये संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में एवं संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित औद्योगिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कामगारों (आकस्मिक कामगारों सहित) को मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश देय होगा।

दुनिया में वही पूज्य होता है, जो जनकल्याण के लिए कार्य करता है- राज्यपाल हरिभाऊ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दुनिया में वही पूज्य होता है, जो जनकल्याण के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव जी ने जीवनभर गरीबों एवं वंचितों की सेवा की और सभी मानवों की समानता में विश्वास रखा। बाबा के अनुयायी देशभर के विभिन्न राज्यों सहित पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र से भी श्रद्धा के साथ यहां पहुंचते हैं। मुसलमान उन्हें रामसा पीर के रूप में पूजते हैं, यह समरसता और भक्ति का अद्त उदाहरण है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को रामदेवरा में सक्षम संस्था द्वारा आयोजित बाबा रामदेव नेत्र कुंभ 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ मानव सेवा और करुणा का अद्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और यह नेत्र कुंभ उसी सेवा भाव का जीवंत प्रतीक है। राज्यपाल ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि यह शिविर वंचित, जरूरतमंद एवं दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने का पुण्य कार्य कर रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आँखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैं, जो जीवन को देखने और उसे पूर्णता से जीने की शक्ति देती हैं। उन्होंने नेत्र कुंभ जैसे आयोजनों को समाज सेवा का सशक्त माध्यम बताया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

गीतांजली हॉस्पिटल के डॉ. अनीस जुक्करवाला को राजस्थान गौरव सम्मान 2025

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्ष 1995 से प्रारंभ हुआ राजस्थान गौरव अवार्ड उन प्रतिभाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपनी-अपनी विधा में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस वर्ष की ज्यूरी में चिकित्सकों का विशेष पैनल शामिल रहा, जिसमें गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर के न्यूरोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. अनीस जुक्करवाला का चयन किया गया। समारोह में माननीय राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने डॉ. अनीस जुक्करवाला को राजस्थान गौरव अवार्ड प्रदान किया। डॉ. अनीस को यह सम्मान न्यूरोलॉजी विशेषकर एपिलेप्सी (मिर्गी) के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। दक्षिण राजस्थान में पहली बार एपिलेप्सी सर्जरी की स्थापना गीतांजलि हॉस्पिटल में डॉ. अनीस ने की थी। वर्तमान में उनकी टीम अब तक लगभग 50 जटिल एपिलेप्सी सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुकी है, जिससे मिर्गी से पीड़ित अनेक रोगियों को नया जीवन मिला है। गीतांजली हॉस्पिटल का एपिलेप्सी सेंटर आज उन्नत सुविधाओं से लैस है, जहाँ डायग्नॉस्टिक से लेकर थेरेप्यूटिक तक सभी आधुनिक उपचार उपलब्ध हैं। इन उपलब्धियों को देखते हुए ज्यूरी ने डॉ. अनीस को राजस्थान गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। विशेष बात यह भी रही कि जहाँ सामान्यत: यह पुरस्कार अनुभवी और वरिष्ठ व्यक्तित्वों को दिया जाता है, वहीं डॉ. अनीस ने कम उम्र में ही उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर यह सम्मान अर्जित किया। यह उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. अनीस ने पुरस्कार राजस्थान गौरव सम्मान 2025 के संयोजक सुरेश मिश्रा, अपने परिवार, सम्पूर्ण न्यूरोलॉजी विभाग एवं गीतांजलि हॉस्पिटल का आभार प्रकट किया।

स्केटर्स मुस्तफा और युसूफ ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अलीगढ़ (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर धरमपुर कोर्टयार्ड, मैरिस रोड अलीगढ़ पर अलीगढ़ स्केटिंग क्लास की ओर से एक भव्य स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अलीगढ़ जिले के नॅशनल स्केटर मोहम्मद मुस्तफा खान और अलीगढ़ के लिटिल चैंपियन स्केटर मोहम्मद युसूफ खान ने लगातार 1 घंटा 19 मिनट स्केटिंग कर तीन विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए। यह उपलब्धि यूनाइटेड स्टेट ऑफ़ अमेरिकन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड, जीनियस इंडियन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड और यू.एन. बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुई। रिकॉर्ड इवेंट के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विवेक बंसल ने मुस्तफा और युसूफ को बधाई देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने कहा कि स्केटिंग खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि मानसिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। खेलों में सफलता पाने के लिए कड़ा परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास जरूरी है। बाधाएं जरूर आएंगी लेकिन हतोत्साहित हुए बिना आगे बढ़ते रहना ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सेंट्रल जोन क्रिकेट के सदस्य रिज़वान शमशाद, एएमयू हॉकी के पूर्व कप्तान नवेद ज़िया, जिला ओलंपिक संघ के महासचिव मजहर उल कमर और महासचिव प्रदीप रावत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ टीम द्वारा गुडिया नदी के बीचों-बीच 06 घण्टों से फंसे 65 वर्षीय बुजुर्ग को बचाया जीवित

पाली (रोयल पत्रिका)। जिले के चण्डावल पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम सांडिया के समीप गुड़िया नदी के बीचों बीच एक व्यक्ति के फंसे होने की सूचना प्राप्त होने पर एसडीआरएफ ने छह घंटे की मशकत के बाद 65 वर्ष बुजुर्ग भंवरसिंह को जीवित बचा लिया गया। एसडीआरएफ कंट्रोल रूम कमाण्डेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम से पुलिस थाना चण्डावल के अंतर्गत ग्राम सांडिया के समीप गुडिया नदी के बीचों बीच फंसे व्यक्ति की सूचना एसडीआरएफ राजस्थान कंट्रोल रूम जयपुर को मिलने पर एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम द्वारा कमाण्डेन्ट के निर्देशानुसार मानसून सत्र 2025 में आपदा राहत एवं बचाव के लिए एसडीआरएफ ई कम्पनी अजमेर की रिजर्व पुलिस लाईन जिला ब्यावर में तैनात रेस्क्यू ई-04 के प्रभारी हैड कोनस्टेबल विमल कुमार को अविलम्ब घटनास्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचे। टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया तथा एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि क्षेत्र में हो रही भारी बरसात के कारण पुलिस थाना चण्डावल के अन्तर्गत गुडिया नदी उफान पर है। सवेरे सांडिया का एक व्यक्ति नदी पार कर रहा था, अचानक नदी का बहाव तेज होने के कारण व्यक्ति नदी के बीचों-बीच पिल्लर पर फंस गया है। मोटर बोट से ऑपरेशन को अंजाम दिया जायेगा। एसडीआरएफ राजस्थान कमाण्डेन्ट ने टीम कमाण्डर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवानों कैलाश चौहान, मुकेश कुमार, नरेन्द्र, अजयराम, महावीर, सुरेश कुमार, रमेश चन्द, जितेन्द्र भडाना तथा दशरथ ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम के जवान जान की बाजी लगाकर मोटर बोट की मदद से उफनती गुडिया नदी की लहरों को पार कर नदी के बीचों-बीच फंसे व्यक्ति के पास पहुँचे। रेस्क्यू टीम ने नदी के बीच पिछले 06 घण्टों से पिल्लर पर फंसे व्यक्ति भंवर सिंह पुत्र किशोर सिंह राजपूत उम्र 65 वर्ष निवासी ग्राम सांडिया थाना चण्डावत जिला पाली को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. सिंह ने विभागीय कार्या योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने के दिये निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुयी बैठक में डॉ. सिंह ने गत सप्ताह में हुये कामो की प्रगति की समीक्षा करते हुये विभागीय कामों योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

बैठक में उन्होंने बजट घोषणाओं में बकाया कामों की विभागवार प्रगति की जानकारी ली साथ ही हरियालो राजस्थान की प्रगति व मानसून बाढ बचाव आपदा राहत कामों की जानकारी लेकर संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही बैठक में बरसात में क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत के लिये व जल भराव क्षेत्रों से जल निकासी के बारे में संबधी विभागों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में पशुपालन विभाग से मुख्यमंत्री मंगला पशुबीमा योजना, लंपी के बारे में वर्तमान स्थिति व प्रबंधो की व अन्य प्रगति जानी व जिले में पानी, बिजली के लिये सम्बधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने शहर के लिये यूआईटी, नगर निगम, सार्वजनिक निर्माण विभाग को सडको की मरम्मत के लिये निर्देश, चिकित्सा विभाग में आयुष्मान योजना, कार्ड व ऑयल बाल, मौसमी बीमारियों के स्थिति व इंतजाम, साथ ही कृषि विभाग में फर्टीलाईजर, खाद बीज व बागवानी विभाग में कुसुम योजना प्रगति की, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व उद्योग विभाग की योजनाओं व कामों की प्रगति की जानकारी लेकर प्रगति लाने के निर्देश दिये। साथ ही सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग पालनहार, भौतिक सत्यापन, छात्रवृत्ति आदि योजनाओं व सहकारिता, माईनिंग, शिक्षा विभाग बाल गोपाल दूध योजना व अन्य विभागों के कामों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

जुलूस-ए-मुहम्मदी के दौरान नशा मुक्त समाज का देंगे सन्देश साजिद खान

-नशा मुक्ति मूहिम का पोस्टर विमोचन कर सांप्रदायिक सद्भावना, कौमी एकता आपसी भा ईचारा व सौहार्द का दिया संदेश

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरुक मंच संस्थान के अध्यक्ष इमरान कुरैशी ने बताया कि संस्थापक साजिद खान के दिशा निर्देश पर 'नशा मुक्त समाज' मुहिम के तहत नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान और ऑल इंडिया कौमी एकता कमेटी गीता भवन में दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर विमोचन कर सांप्रदायिक सद्भावना का दिया संदेश और युवाओं को नशे के विरूद्ध जागरूक करने का लिया संकल्प। कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नुरी और सचिव इफ्तिखार अहमद ने बताया कि जुलूस ए मुहम्मदी के दौरान नशे के विरोध मैं बैनर पोस्टर एवं तख्तिया लेकर आमजन को जागरूक करने का काम करेंगे और जुलूस के दौरान यह मूहिम आकर्षण का केंद्र रहेगी। आल इण्डिया कोमी एकता के अध्यक्ष राजेश जी लोढा ने जोधाणा की नशा मुक्त समाज मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि नशे में बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी मे जागरूकता फैलाना हम सबका कर्तव्य हैं इसे आने वाली युवा पीढ़ी को बचाया जा सकता है। छोटे-छोटे बच्चे व नोजवान इस नशे के शिकार हो रहे हैं। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने आमजन से इस ओर ज्यादा ध्यान देने की बात कहीं। सदाकत उल्लाह खान ने कहा कि तमाम जुलूस में आए अकीदतमंदों के संकल्प से ही शिक्षा युक्त व नशा मुक्त से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव हो सकता है। पोस्टर विमोचन के मौके पर ऑल इंडिया कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष राजेश जी लोढा, महासचिव अब्दुल गनी, सचिव सदाकतउल्लाह खान, नवल किशोर, राजेश कश्यप, डॉक्टर साजिद निसार, अमित जावा, सौरभ लोढा जी, ठेकेदार रमजान अली सचिव, रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी प्रह्लाद साहब व व्यास जी, काजी तैय्यब अंसारी, यूनाइटेड समिति के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, समाजसेवी मोहम्मद जावेद, डॉ. मरजीना साहिबा, नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरेशी, संस्थापक साजिद खान, अध्यक्ष इमरान कुरेशी, शकील अहमद पठान, कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारुन, इफ्तिखार अहमद, उस्मान कुरैशी, आसिफ नूरी कई समाजसेवी और संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि और घग्घर में संभावित अधिक पानी की आवक के चलते प्रशासन अलर्ट

-जिला कलेक्टर, एसपी और एडीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में अतिवृष्टि और घग्घर नदी में संभावित अधिक पानी की आवक की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट पर है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, पुलिस अधीक्षक हरी शंकर और एडीएम उम्मेदीलाल मीना, रेगुलेशन अधीक्षण अभियंता रामा किशन ने पत्रकारों के माध्यम से आमजन को संदेश दिया कि घबराने की जरूरत नहीं है, अभी स्थिति पूरी तरह सामान्य है। प्रशासन पूरी तैयारी में है और किसी भी आपदा से निपटने की क्षमता रखता है। जिला कलेक्टर डॉ. यादव ने बताया कि पूरे नॉर्थ इंडिया में अतिवृष्टि की स्थिति है, विशेष रूप से पंजाब में हालात गंभीर हैं। घग्घर में पानी की आवक पर लगातार पैनी नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर पानी को इंदिरा गांधी नहर में शिफ्ट करने की व्यवस्था तैयार है, हालांकि उम्मीद है कि ऐसी स्थिति नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि शहर में पानी निकासी के लिए 10 पॉइंट चिन्हित किए गए हैं और कार्य शुरू हो चुका है। सरकारी महकमों के अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डॉ. यादव ने जनता से अपील की कि वे पैनिक न हों, बल्कि प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि मकान में दरारें आ गई हैं या सुरक्षित नहीं लग रहा, तो व्यक्ति स्वयं को जोखिम में न डाले और सुरक्षित स्थान पर चले जाए। साथ ही आवश्यक दवाइयां, कागजात और जरूरी सामान तैयार रखें ताकि विपरीत परिस्थितियों में तुरंत सुरक्षित स्थल पर जा सकें। एसपी हरी शंकर ने बताया कि पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हैं। एसडीआरएफ की एक टीम हनुमानगढ़ पहुंच चुकी है और दूसरी टीम मुख्यालय से बुलाने का अनुरोध किया गया है। गोगामेड़ी मेले में तैनात जाब्ता भी शीघ्र ही यहां शिफ्ट कर दिया जाएगा। पुलिस थानों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम उम्मेदीलाल मीना ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, मीडिया और आमजन का सहयोग प्रशंसनीय है। उन्होंने जानकारी दी कि जो लोग स्वयंसेवक के रूप में योगदान देना चाहते हैं, उनके लिए गूगल फॉर्म जारी किया गया है। साथ ही अस्थायी आश्रय स्थलों की तैयारी कर ली गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा सके।

संसाधनों का हो अधिकतम उपयोग, संवेदनशील रहते हुए आमजन का करें सहयोग- सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय का किया दौरा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सोमवार को जिले के सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय के दौरे पर रहे। उन्होंने सुजानगढ़ में पानी भराव की स्थितियों व जल निकासी प्रबंधन का जायजा लिया तथा अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। उन्होंने शहरवासियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के समन्वय से सतर्कता व सजगता से आपदा प्रबंधन कार्य किया जा रहा है। घरों व शहर में पानी भराव स्थितियों पर नियंत्रण के लिए त्वरित व निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पंप सेटों, मोटरों आदि को निरंतर चालू रखते हुए पानी निकासी की जा रही है। उपलब्ध संसाधनों के अतिरिक्त निकटवर्ती नगरनिकायों से भी संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बरसात नहीं होने की स्थिति में 24 घंटे में पानी निकासी की जा सकेगी। उन्होंने एसडीएम व नगरपरिषद आयुक्त को निर्देश दिए कि सभी कार्मिकों का समुचित प्रबंधन करें व संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाए। आमजन से किसी भी माध्यम से शिकायत/ सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जल भराव स्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण करें तथा संसाधनों को बढ़ाते हुए आमजन को राहत दें। पंप आदि को चालू रखते हुए मॉनीटरिंग करें। नाथो तालाब, दुलिया बास व चापटिया तलाई में अतिरिक्त 02— 02 पंप सेटों की व्यवस्था की जाए एवं सुचारू रखा जए। जिला कलक्टर सुराणा ने एफसीआई गोदाम का निरीक्षण कर कहा कि अतिरिक्त पंप लगाकर पानी निकास करें व गोदाम में मौजूद गेंहू को यथाशीघ्र से शिफ्ट करें। जिला कलक्टर ने सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर चापटिया तलाई, नाथो तालाब, एफसीआई गोदाम, हरिजन बस्ती, गैनाणी से पानी निकासी आउटलेट आदि सहित शहरी क्षेत्र में पानी भराव का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी तथा अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल सहित स्थानीय निवासियों ने समस्याओं और स्थितियों से अवगत करवाया।

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार 4 सितम्बर को

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जन अभियोग निराकरण के सम्बन्ध में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई सितम्बर माह के प्रथम गुरूवार 4 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगी। लोक सेवाओं की सहायक निदेशक श्रीमती विनीता स्वामी ने बताया कि सरकार द्वारा जन अभियोग निराकरण के सम्बन्ध में त्रिस्तरीय जनसुनवाई कर आमजन को राहत पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था जिले के समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर सितम्बर माह के प्रथम गुरूवार 4 सितम्बर को वीसी के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसमें उपखण्ड क्षेत्र रूपनगढ़ की त्योद, केकड़ी की खवास तथा नसीराबाद की झड़वासा ग्राम पंचायत का मुख्य सचिव स्तर से वीसी के द्वारा पर्यवेक्षण किया जाएगा।

आर्टिस्ट नौशाद खान ने आरी-तारी जरदोजी से बनाया 'आप' का चुनाव चिन्ह

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। आरी तारी मशहूर आर्टिस्ट नौशाद खान ने अपनी बेहतरीन कला का परिचय देते हुए आरी-तारी जरदोजी से आम आदमी पार्टी का चुनाव चिन्ह तैयार कर पार्टी को भेंट किया। यह चुनाव चिन्ह अब पार्टी कार्यालय में लगाया गया है। इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष वकार खान भोपाली मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने नौशाद खान के काम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कला काबिले-तारीफ है और इससे पार्टी का सम्मान और बढ़ा है।

वर्षा के बीच प्रशासन सतर्क, जिला कलक्टर ने जानी वस्तु-स्थिति

-जिला कलक्टर लोक बन्धु ने किया विभिन्न क्षेत्रों का दौरा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले में रात्रि से जारी वर्षा के दौर को देखते हुए जिला कलक्टर लोक बन्धु ने सोमवार प्रातः अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है तथा नागरिको को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए समस्त तैयारी है। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में स्थिति सामान्य पाई गई है। कुछ स्थानों पर जलभराव की समस्या सामने आने पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों को मड पंप लगाकर शीघ्र जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर लोक बन्धु ने चौरसियावास तालाब, बांडी नदी, सागर विहार, मेयो लिंक रोड, सेंट फ्रांसिस हॉस्पिटल मार्ग, 9 नम्बर पेट्रोल पंप सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद नगर निगम तथा अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को आवश्यकतानुसार टीमें नियुक्त कर राहत कार्यों में तत्परता बरतने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त देशल दान, उपखंड अधिकारी गरिमा नरूला, तहसीलदार ओम लखावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डायन प्रथा पर आधारित मूवी 'बिसाही' 25 सितंबर को होगी रिलीज़

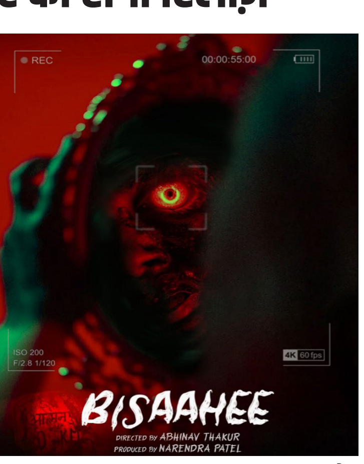

अहमदाबाद (रॉयल पत्रिका)। पीसविंग प्रोडक्शन प्रा. लि. के बैनर तले बनी सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्म 'बिसाही' आगामी 25 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। कॉन्प्लेक्स इस फिल्म का आधिकारिक पार्टनर है। यह फिल्म समाज में प्रचलित भयावह कुप्रथा डायन या बिसाही प्रथा को केंद्र में रखकर बनाई गई है। भारत के कई प्रदेशों, खासकर झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में आज भी महिलाओं को अंधविश्वास के नाम पर डायन करार देकर हिंसा का शिकार बनाया जाता है। फिल्म में इन्हीं सामाजिक कड़वी सच्चाइयों को बड़े पर्दे पर उतारा गया है। फिल्म के निर्देशक अभिनव ठाकुर का कहना है कि "बिसाही" केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि उन महिलाओं की आवाज़ है जिन्होंने सदियों से इस प्रथा का अन्याय सहा है। फिल्म में मुख्य भूमिका अभिनेता रवि साहू निभा रहे हैं। उनके साथ राम सुजान सिंह, पूजा अग्रवाल, इंदु प्रसाद, चहना पटेल, हार्दिक सोलंकी और पूजा रावल जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है। निर्माता नरेंद्र पटेल ने कहा कि "बिसाही" हमारी टीम का सपना है। हम चाहते हैं कि यह फिल्म हर घर तक पहुँचे और लोग समझें कि अंधविश्वास किसी इंसान की ज़िंदगी से बड़ा नहीं हो सकता।" फिल्म को हाल ही में अहमदाबाद में आयोजित विशेष स्क्रीनिंग में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की उपस्थिति में "प्रेरणादायक फिल्म" का सम्मान मिला है।

कर्मयोगी अभियान जिला स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। विभागीय निर्देशों की पालना में जिला परिषद् सभागार में अंकित कुमार सिंह जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आदि कर्मयोगी अभियान अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर विशाल टेलर, डॉ. लोकेश परमार, चन्द्रिका सोमपुरा एवं हितेश पटेल, द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान संबंधित जानकारी एवं अभियान के मुख्य उद्देश्य सेवा,समर्पण एवं संकल्प के माध्यम से उत्तरदायी शासन के द्वारा पात्र व्यक्ति को लाभ पहुचाने हेतु समस्त विभागों आपसी समन्वय से कार्य करने कहा गया। अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर को 03 दिवसीय एवं गाँव स्तर पर 02 दिवसीय आमुखीकरण प्रशीक्षण दिया जायेगा। ग्राम स्तरीय ग्राम सहयोगी एवं साथी के द्वारा विभिन्न योजनाओं की कार्य योजना तैयार कर आगामी 02 अक्टुम्बर की ग्राम सभा में अनुमोदन करवाया जायेगा। जिला कलक्टर द्वारा समस्त उपस्थित अधिकारीगण को समर्पत भाव से समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये गये उक्त कार्य शाला में अतिरिक्त जिला कलक्टर महोदय, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्मिकगण उपस्थित रहे।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल भारत में लेकर आया आधुनिकतम तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम

मुंबई, एजेंसी। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने आज तौमाई0 रोबोटिक सर्जरी सिस्टम शुरू करने की घोषणा की है। यह उन्नत सर्जिकल सिस्टम भारत में पहली बार स्थापन की जा रही है। रोबोटिक्स और सटीक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारत के अग्रणी संस्थान के रूप में इस हॉस्पिटल का स्थान अब और अधिक मज़बूत हुआ है। साथ ही टेक्नोलॉजी में प्रगति को न केवल अपनाने बल्कि उसका नेतृत्व करने और भारतीय मरीज़ विश्वस्तरीय नवाचारों से लाभान्वित हों यह सुनिश्चित करने के उनके दृष्टिकोण की भी पुष्टि हुई है। तौमाई एंडोस्कोपिक मल्टी-पोर्ट सर्जिकल सिस्टम बेजोड़ सुरक्षा, लचीलापन और सटीकता प्रदान करने वाला दुनिया भर में नवाज़ा जा रहा रोबोटिक नवाचार है। 3डी एचडी विज़ुअलाइज़ेशन, ट्रेमर-फ़िल्टर किए गए कलाई उपकरणों और अत्यधिक अनुकूलनीय मल्टी-आर्म तकनीक जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ, यह सिस्टम कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में उपलब्ध न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी में एक नए मानक का प्रतिनिधित्व करता है।तौमाई को सटीकता, सुरक्षा और बेहतर परिणामों के साथ, सर्जरी करने के तरीके को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे स्वास्थ्य लाभ तेज़ी से मिलते हैं, रक्त की हानि कम होती है, अस्पताल में कम दिन रहना पड़ता है और सर्जरी के निशान कम से कम पड़ते हैं, इस तरह के प्रमुख लाभ सीधे मरीज़ों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दायर किया

मुंबई, एजेंसी। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। यह कंपनी 31 मार्च, 2025 तक स्थापित क्षमता के मामले में नॉन फेरस मेटल रिसाइकलर के मामले में अग्रणी रही है। साथ ही वित्त वर्ष 2025 के लिए परिचालन से राजस्व के मामले में भारतीय द्वितीयक एल्युमीनियम बाजार में समकक्ष कंपनियों के बीच सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी रखती है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। इस सार्वजनिक निर्गम में 2 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 42,890,735 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को घरेलू खिलाड़ियों की तुलना में क्षमता लाभ प्राप्त है, 31 मार्च 2025 तक घरेलू पुनर्नवीनीकृत एल्युमीनियम क्षेत्र में इसकी स्थापित क्षमता निकटतम प्रतिस्पर्धी की तुलना में लगभग 4 गुना अधिक है। 31 मार्च 2025 तक स्थापित क्षमता के संदर्भ में, कंपनी वैश्विक एल्युमीनियम रिसाइक्लिंग इंडस्ट्री में सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। परिचालन से इसका राजस्व वित्त वर्ष 2007 से वित्त वर्ष 2025 तक लगभग 23 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा है। इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइज़र्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं।

अडानी पावर को मध्य प्रदेश में मिला बड़ा ठेका

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर के शेयर की कीमत में सुबह के कारोबार में तेजी देखने को मिली। यह उछाल कंपनी द्वारा सप्ताहांत में की गई एक बड़ी घोषणा के बाद आई है। कंपनी को मध्य प्रदेश में एक बड़े पावर प्लांट के निर्माण का ठेका मिला है, जिससे निवेशकों में उत्साह है।

सुबह कारोबार शुरू होते ही अडानी पावर का शेयर 606 रुपये के स्तर पर खुला और फिर तेजी के साथ बढ़ता हुआ 614.80 रुपये के दिन के उच्चस्तर तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के शेयर में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। बाजार में यह तेजी कंपनी द्वारा शनिवार, 30 अगस्त को की गई महत्वपूर्ण घोषणा का सीधा असर है। अडानी पावर ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उसे एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से एक लेटर ऑफ अवार्ड मिला है। यह ठेका मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में एक नए 800 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट/प्लांट के निर्माण और वहां से बिजली की आपूर्ति से जुड़ा है। यह नया पावर प्लांट डिज़ाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल के तहत स्थापित किया जाएगा। इसमें ईंधन (कोयला) की आपूर्ति केंद्र सरकार की शक्ति नीति के तहत आवंटित कोयला लिंकेज से की जाएगी। प्रोजेक्ट की प्रकृति को मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थापित किए जाने वाले 800 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट/प्लांट से दीर्घकालिक बिजली प्राप्ति के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए कंपनी के पास नियुक्त तारीख से 54 महीने का समय होगा। इस दौरान प्लांट का निर्माण और कमीशनिंग पूरा करना होगा।

ऑप्टिमस 4,500 नौकरियां पैदा करने को 800 करोड़ से अधिक का निवेश करेगी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑप्टिमस द्वारा लगाई गई भारत की पहली टेंपर्ड ग्लास विनिर्माण इकाई का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की मेक इन इंडिया पहलमें योगदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तहत अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता ऑप्टिमस इंफ्राकॉम ने मैटेरियल साइंस में विश्व की अग्रणी कंपनियों में से एक कॉर्निंग इनकॉर्पोरेटेड द्वारा विकसित टेक्नोलॉजी-इंजीनियर्ड बाय कॉर्निंग के साथ टेंपर्ड ग्लास के लिए देश के प्रथम विनिर्माण संयंत्र का उत्तर प्रदेश के नोएडा में आज उद्घाटन किया। इस विनिर्माण इकाई का उद्घाटन माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा किया गया। यह भारत के बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स पारितंत्र के लिए एक ऐतिहासिक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 11 लाख, 70 हजार करोड़ रुपये का स्तर पार कर गया और यह देश विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माण देश बन गया।

इस इकाई में 70 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से अत्याधुनिक आधारभूत ढांचा तैयार किया गया है जिससे कच्चे माल को पूरी तरह से उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले टेंपर्ड ग्लास में तब्दील करना सुगम होगा। प्रथम चरण में सालाना 2.5 करोड़ यूनिट की स्थापित क्षमता होगी जिससे 600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। दूसरे चरण में ऑप्टिमस 800 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश से स्थानीय एवं वैश्विक बाजारों के लिए क्षमता बढ़ाकर सालाना 20 करोड़ यूनिट पर ले जाएगी जिससे 4,500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार के उपलब्ध होंगे।

इस विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन करते हुए श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हमें ऑप्टिमस और कॉर्निंग के बीच यह साझेदारी और आज उत्पादन शुरू होता देख प्रसन्नता हो रही है। भारत में कंपोनेंट्स के लिए संपूर्ण पारितंत्र तेजी से विकसित हो रहा है। पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण छह गुना बढ़ा है और करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ आज यह 11.5 लाख करोड़ रुपये का उद्योग है। यह एक शानदार उपलब्धि है और प्रधानमंत्री के विजन का एक प्रमाण है। कदम दर कदम हमारी योजना निकट भविष्य में भारत में मोबाइल उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले प्रत्येक कंपोनेंट का यहां विनिर्माण करने की है। हम भारत में अनुसंधान और विकास को भी प्रोत्साहन देते हैं और एक वैश्विक ताकत बनने की दिशा में काम कर रहे हैं। आज टेंपर्ड ग्लास विनिर्माण संयंत्र में परिचालन शुरू होने के साथ हम जल्द ही मेड इन इंडिया चिप्स भी देखेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग बढ़िया आकार ले रहा है और वर्तमान में यह करीब 25 लाख नौकरियों का सृजन करता है।

देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को

राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड से मिला बड़ा ऑर्डर

मुंबई, एजेंसी। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड एक वैश्विक आईटी सेवाएं देने वाली कंपनी है, जो क्लाउड सर्विसेस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लीकेशंस और मैनेज्ड आईटी सर्विसेस उपलब्ध कराती है। इसके प्रमुख उत्पादों में टैलीजेंस और बाइटसाइगर शामिल हैं। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने राजस्थान सरकार के उपक्रम राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड से पोर्टल वेबसाइट्स नामक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का ऑर्डर हासिल किया है। इसमें व्यापक आईटी/आईटीईएस और सॉफ्टवेयर विकास सेवाएं प्रदान करनी हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्मों को अधिक प्रतिक्रियाशील और मोबाइल-अनुकूल बनाने के लिए वेब पोर्टलों एवं एप्लीकेशनों को बेहतर किया जाएगा। एक मुख्य डिलीवरबल एडोब एक्सपीरियंस मैनेजर प्लेटफॉर्म का उपयोग कर विकास कार्य और इससे जुड़े मोबाइल एप्लिकेशन कंपोनेंट्स हैं। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के पास भारत में विभिन्न सरकारी संस्थानों से लगभग 50 करोड़ के सक्रिय वर्क ऑर्डर हैं। इससे पहले, कंपनी ने एलिवस लाइफसाइंसेस लिमिटेड से भी लगभग 4.4 करोड़ के महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त किए थे। इन ऑर्डरों से कंपनी की एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी क्षेत्र में बढ़ती साख और मूल्य-आधारित आईटी समाधान देने की क्षमता स्पष्ट होती है। कंपनी को माइक्रोसॉफ्ट सिलेक्ट प्लस परपेचुअल लाइसेंस के लिए लगभग 3.60 करोड़ का बड़ा ऑर्डर भी मिला है। ये लाइसेंस डायरेक्ट लाइसेंसिंग सॉल्यूशन पार्टनर द्वारा बिल किए जाएंगे, जबकि डेव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने एलिवस लाइफसाइंसेस की आईटी संरचना को सही माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंसिंग मॉडल के अनुरूप ढालने में प्रमुख सलाहकार की भूमिका निभाई है। इसे संभालने और ग्राहकों को डिजिटल परिवर्तन यात्रा में सहायता देने की क्षमता और मजबूत होती है। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड की स्थापना 1997 में हुई थी।

यह एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध है, तथा आईएसओ 20000, आईएसओ 27001, आईएसओ 9001 व सीएमएमआइ लेवल 3 प्रमाणिप्राप्त है। कंपनी ने छोटे स्तर के बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर से लेकर वैश्विक आईटी सेवा प्रतिष्ठान बनने तक का सफर तय किया है। वर्षों से कंपनी ने दुनिया भर के व्यवसायों को सूचना प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटल परिवर्तन का लाभ पहुंचाया है। इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है तथा भारत के विभिन्न शहरों और कनाडा में कार्यालय हैं।

एथर एनर्जी ने एथर कम्युनिटी डे 2025 के अवसर पर ईएल पेश किया

अगली जनरेशन का यह स्कूटर प्लेटफॉर्म बहुउपयोगिता, विस्तार और कीमत के अनुकूलन के लिए बनाया गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी ने एथर कम्युनिटी डे 2025 के तीसरे एडिशन में उत्पाद और टेक्नोलॉजी में हुए जबरदस्त विकास की घोषणा की। एथर ने अपने ऑल-न्यू ईएल प्लेटफॉर्म का अनावरण भी किया। यह 450 के बाद पेश किया गया एथर का पहला वाहन प्लेटफॉर्म है। ईएल प्लेटफॉर्म का विकास बहुउपयोगिता, विस्तार और कीमत के अनुकूलन के लिए किया गया है। इसके साथ विभिन्न सेगमेंट्स में एथर स्कूटरों की एक नई जनरेशन शुरू होगी, जो भारतीय राइडर्स के लिए परफॉर्मेंस, विकल्पों और इनोवेशन के नए मानक स्थापित करेगी।

एथर ने एथरस्टैक 7.0 भी पेश किया। इसमें स्कूटर के साथ संवाद आवाज के माध्यम से होगा। इसके अलावा, टेक्नोलॉजी को अधिक इन्ट्यूटिव एवं उपयोग में आसान करने के लिए कई नए फीचर्स भी पेश किए गए। एथर ने अगली जनरेशन के फास्ट चार्जर भी प्रदर्शित किए, जो इलेक्ट्रिक स्कूटरों को और अधिक तेजी से चार्ज कर सकते हैं। साथ ही, मौजूदा उत्पाद श्रृंखला को अपडेट करने की घोषणा भी की गई।

एथर एनर्जी के को-फाउंडर एवं सीईओ, तरुण मेहता ने कहा, ''हमारा ईएल प्लेटफॉर्म एथर के लिए विकास के अगले चरण की नींव तैयार कर रहा है। जहाँ 450 के साथ हमने पहले चरण की शुरुआत की थी, वहीं ईएल हमारे नई पीढ़ी के इलेक्ट्रिक स्कूटरों का प्लेटफॉर्म है, जो हमें अपने स्कूटरों का विकास अधिक विस्तृत रूप में तथा ज्यादा एफिशियंसी के साथ करने में समर्थ बनाएगा। प्लेटफॉर्म पर केंद्रित इस दृष्टिकोण द्वारा तीव्र इनोवेशन, ज्यादा एफिशियंसी, शानदार सर्विस और बेहतर राइडर अनुभव सुनिश्चित हो सकेंगे। हम बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ईएल प्लेटफॉर्म पर आधारित स्कूटरों का निर्माण अपनी छत्रपति संभाजीनगर में स्थित नई फैक्ट्री में करेंगे।''

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सतना

मध्य प्रदेश में पूरी तरह नए 125 हॉर्नेटऔरशाइन 100 डीएक्सका शुभारंभ किया

सतना, एजेंसी। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सतना, मध्य प्रदेश में पूरी तरह नए 125 हॉर्नेटऔरशाइन 100 डीएक्सका परिचय कराया। पूरी तरह नए होंडा 125 हॉर्नेट की कीमत 1,12,000 (विशेष प्रारंभिक प्रस्ताव) रखी गई है, जबकि शाइन 100 डीएक्स की कीमत?74,100रखी गई है, सभी कीमतें सतना, मध्य प्रदेश के एक्स-शोरूम अनुसार हैं। कंपनी ने इन दोनों मोटरसाइकिलों का वितरण भी शुरू कर दिया है।नई पीढ़ी के सवारों को ध्यान में रखते हुए सीबी125 हॉर्नेट को तैयार किया गया है, जो अपने स्पोर्टी अंदाज़ और रोमांचक परफॉर्मेंस के साथ 'राइड योर रिज़' की भावना को दर्शाती है। वहीं शाइन 100 डीएक्स अपने उन्नत फीचर्स और प्रीमियम स्टाइलिंग के साथ अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है, जो ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है - 'सॉलिड है'। ग्राहक इन मोटरसाइकिलों की बुकिंग अपने नज़दीकी होंडा अधिकृत डीलरशिप पर जाकर कर सकते हैं।

चांदी 11 साल के हाई पर, एक झटके में 5678 रुपये उछलने के 2 कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आज चांदी की कीमत में 2.2 प्रतिशत की तेजी आई है और यह 40.56 प्रति औंस पर पहुंच गई है। यह सितंबर 2011 के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर है। वहीं, घरेलू सर्राफा बाजारों में आज चांदी एक झटके में 5678 रुपये महंगी हो गई। आज चांदी बिना जीएसटी के 123250 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। जीएसटी के साथ सर्राफा मार्केट में चांदी 126947 रुपये किलो हो गई है। आइबीजेए के मुताबिक शुक्रवार को चांदी बिना जीएसटी 117572 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। इस साल चांदी 37233 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को चांदी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

1 सितंबर 2025 को चांदी के भाव में अचानक तेज उछाल मुख्यतः दो कारणों से देखने को मिला। पहला भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले तेज कमजोरी और दूसरा वैश्विक बाजार में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद। इसके अलावा औद्योगिक मांग, वैश्विक तनाव और सप्लाई-डिमांड गैप भी इसमें योगदान देते हैं। केसीएम ट्रेड के मुख्य बाजार विश्लेषक टिम वॉटरर के अनुसार, अमेरिका में बैंक छुट्टी की वजह से बाजार में लेनदेन कम हुआ है, जिससे सोने और चांदी की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आज रुपये की कीमत गिरकर ?88.30 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। जब रुपये की अंतरराष्ट्रीय कीमत कम होती है, तो सोना-चांदी का आयात महंगा हो जाता है। इससे घरेलू बाजार में भाव ऊपर जाते हैं।

अमेरिका में महंगाई के ताजा आंकड़े अनुमान के अनुसार आए हैं, जिससे सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनी है। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से निवेशक सेफ हेवन एसेट्स जैसे चांदी में निवेश की ओर बढ़ते हैं, जिससे मांग और भाव दोनों में वृद्धि होती है।जिओ पॉलिटिकल तनाव, इंडस्ट्रील डिमांड, और लगातार सप्लाई कम रहने की वजह भी चांदी के तेज भाव में योगदान करती है। भारत में त्योहार एवं शादियों का सीजन भी मांग बढ़ने में असर डालता है। इसके अलावा, प्लैटिनम की कीमत में 1.5% का इजाफा हुआ है और यह ,1,384.68 प्रति औंस पर पहुंच गया है। वहीं, पैलेडियम की कीमत भी 0.8% बढ़कर ,1,118.06 प्रति औंस हो गई है।

ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर समिट 2025 में आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ पारंपरिक औषधियों को

एकीकृत करने के लिए सहयोगात्मक वैश्विक मंचों की वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) ने ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर समिट 2025 का सफल आयोजन किया। ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर वर्टिकल के अध्यक्ष और ब्रिक्स सीसीआई के कार्यकारी निदेशक (रणनीति) श्री प्राण शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन ने आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के साथ औषधियों की पारंपरिक प्रणालियों के मेल की दिशा में बढ़ रही वैश्विक गति को रेखांकित किया। ब्रिजिंग ट्रेडिशन एंड इन्नोवेशन थीमके साथ इस समिट ने आधुनिक विज्ञान के साथ आयुष को एकीकृत करने में एक कीर्तिमान स्थापित किया जिससे वैश्विक स्वास्थ्य सुविधा गठबंधनों और भावी प्रणालियों के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ।

इस समिट में जाने माने अतिथियों की उपस्थिति दर्ज की गई जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद श्री अनुराग शर्माऔर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण राज्यमंत्री रामदास बी. अठावले ने अपने विचार रखे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय आयुष मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला द्वारा संबोधित एक एक्सक्लूसिव वीडियो भी चलाया गया। इस आयोजन में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, दक्षिण अफ्रीका उच्चायोग के उच्चायुक्त श्री अनिल सुकलाल, भारत में रूसी महासंघ दूतावास के श्री रोमन बाबुशकिन, भारत में सेशेल्स की उच्चायुक्त ललातियाना अकाउशे और ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस अलायंस दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय चेयरपर्सन सुश्री लेबोगैंग ज़ुलु जैसी प्रख्यात हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप आयुष हमारी विरासत है और एक समावेशी वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली का आधार है जो आधुनिक विज्ञान के साथ परंपरा को जोड़ता है। लोकसभा सांसद श्री अनुराग शर्मा ने कहा, औषधियों की पारंपरिक प्रणालियों के लिए क्लिनिकल ट्रायल की जरूरत है क्योंकि लंबे समय से इनके उपयोग और साक्ष्य आधारित परिणाम पहले से ही इनके प्रभाव को वैधता प्रदान करते हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ब्रिक्स सीसीआई के को-चेयरमैन और महानिदेशक डाक्टर बीबीएल मधुकर ने स्वास्थ्य क्षेत्र में नवप्रवर्तन को आगे बढ़ाने की इस चैंबर की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा समाज के प्रत्येक पहलू को स्पर्श करता है।

ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर वर्टिकल के अध्यक्ष और ब्रिक्स सीसीआई के कार्यकारी निदेशक (रणनीति) श्री प्राण शर्मा ने कहा, हम पहले से ही वैश्विक रुख में बदलाव देख रहे हैं जहां लोग सिंथेटिक और केमिकल आधारित उत्पादों से दूरी बनाते हुए प्राकृतिक, सुरक्षित और टिकाऊ विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के आ गए अच्छे दिन, 5 दिन में 20 उछला शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। लग रहा है ओला इलेक्ट्रिक के अच्छे दिन आ गए है। आज, सोमवार 1 सितंबर 2025 को ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर की कीमत में तेजी देखने को मिली। शेयर ने ?58.01 के स्तर को छूकर 7.33 की शानदार बढ़त दर्ज की। यह उछाल पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन में लगभग 20 की बढ़त का हिस्सा है, जो कंपनी के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

इस तेजी के पीछे क्या है वजह: इस तेजी की असली वजह बनी कंपनी द्वारा पिछले हफ्ते प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत मिला सर्टिफिकेशन। ओला ने घोषणा की कि उसकी जेन 3 स्कूटर लाइनअप की सभी सात मॉडल्स ने यह सर्टिफिकेट हासिल कर लिया है।

मार्जिन और प्रॉफिटेबिलिटी को मिलेगा बढ़ावा: इस सर्टिफिकेशन का सीधा फायदा यह होगा कि ओला इलेक्ट्रिक अब वर्ष 2028 तक, अपनी निर्धारित बिक्री मूल्य का 13 से 18 तक का प्रोत्साहन हासिल करने की पात्रता रखती है। कंपनी का कहना है कि इससे उसकी लागत संरचना मजबूत होगी, मार्जिन्स में सुधार होगा और पॉजिटिव होने का लक्ष्य और करीब आएगा। इसका सकारात्मक असर कंपनी की लाभप्रदता पर की दूसरी तिमाही से दिखना शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी अभी भी नुकसान में चल रही है। मार्च 2025 के सालाना नतीजों में ?2,276 करोड़ का नुकसान दर्ज किया गया, लेकिन प्रबंधन ने जून 2025 महीने में ऑपरेटिंग स्तर पर लाभदायकता हासिल करने का दावा किया है। पिछले साल लिस्टिंग के बाद से शेयर की कीमतें काफी उतार-चढ़ाव का सामना कर चुकी हैं और जुलाई 2025 में यह ?39.58 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर भी पहुंच गई थी। इस पीएलआईसर्टिफिकेशन को बाजार और विश्लेषकों ने बहुत सकारात्मक देखा है। माना जा रहा है कि इससे संस्थागत निवेशकों की कंपनी में रुचि फिर से बढ़ी है।

अल्लू ने दादी को किया याद

अभिनेता अल्लू अर्जुन की दादी, अल्लू कनकरत्नम का निधन शनिवार को हो गया था। वो 94 वर्ष की आयु में इस दुनिया को छोड़कर चली गई, उनका अंतिम संस्कार कोकापेट में हुआ। शनिवार को जब उनका निधन हुआ तो एक्टर अल्लू अर्जुन मुंबई में शूटिंग कर रहे थे। वे शूटिंग बीच में छोड़कर तुरंत हैदराबाद पहुंचे। रविवार को 'पुष्पा-2' स्टार अल्लू अर्जुन ने उन्हें याद करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया। एक्टर ने अपनी दादी की एक तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, हमारी प्रिय दादी अल्लू कनकरत्नम गारु अब स्वर्ग सिधार चुकी हैं। उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेगा। हम सबको हर दिन उनकी कमी खलेगी। जिन्होंने प्रेम और संवेदनाएं हमारे साथ साझा कीं, उन सभी का दिल से आभार। दूर बैठे लोगों की प्रार्थनाएं और दुआएं भी हमें उतनी ही महसूस हुईं। आप सभी के प्रेम और सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं। अल्लू अर्जुन और उनकी दादी के बीच काफी घनिष्ठ प्रेम था। 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के बाद जब अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया था, तब उनकी दादी बहुत दुखी हुई थीं। बाद में जब वे घर वापस आए थे, तो एक्टर की दादी ने उनकी नजर उतारी थी। इसका वीडियो अल्लू ने शेयर किया था। इससे पहले सुपरस्टार चिरंजीवी ने एक पोस्ट में लिखा था, हमारी सास, अल्लू रामलिंगय्या गारु की धर्मपत्नी, कनकरत्नम्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने स्नेह, साहस और जीवन मूल्यों से पूरे परिवार को हमेशा मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, दो दिनों में कमाए ? 28.7 करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म ने रिलीज के पहले दो दिनों में ही 28.7 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने शुक्रवार को ?7.37 करोड़ की मजबूत ओपनिंग के साथ अपनी धमाकेदार एंट्री दर्ज कराई। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह शनिवार को और भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कलेक्शन में 36.64 की जबरदस्त उछाल देखने को मिली। शनिवार को फिल्म ने ?10.07 करोड़ का कलेक्शन किया। इस तरह, भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन ?17.44 करोड़ रहा, जबकि दुनिया भर में फिल्म ने?28.7 करोड़ की कमाई कर ली है।

सुमोना चक्रवर्ती की कार पर मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने किया हमला

वो मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था...

एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर आपबीती शेयर करते हुए बताया कि 31 अगस्त को साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान उनकी कार पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनकी कार को रोका, बोनट पर मारा और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि 31 अगस्त को उन्हें साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया था। जिससे वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने बताया कि ये वाकया दोपहर के वक्त हुआ, जब वह कोलाबा से फोर्ट जा रही थीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर आपबीती सुनाई है। सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज दोपहर 12:30 बजे। मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी। और अचानक-मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपने पेट को मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने वो झूमने लगा। उसके साथी मेरे कार के शीशे के पास आकर जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वैसा ही हुआ। 5 मिनट के अंतराल में दो बार।

सुमोना ने बताया मुंबई का खौफनाक मंजर

सुमोना ने आगे बताया कि पुलिसवाले वहीं थे लेकिन वह बैठे हुए थे और कुछ नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह साउथ बॉम्बे में दिन के उजाले में भी खुद को अनसेफ फील कर रही थीं। और सड़कों पर केले के छिलके, प्लास्टिक की बोतलें और गंदगी बिखरी हुई थी। एक्ट्रेस ने बताया कि फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारी विरोध के नाम पर खा रहे हैं, सो रहे हैं, नहा रहे हैं, खाना बना रहे हैं, पेशाब कर रहे हैं, शौच कर रहे हैं, वीडियो कॉल कर रहे हैं, रील बना रहे हैं।

51 साल की मलाइका अरोड़ा को रिवीलिंग ड्रेस पहनना पड़ा भारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन लाइमलाइट में बनी रहती हैं. 51 साल की एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं. फिलहाल, मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर जमकर ट्रोल हो रही हैं. दरअसल, एक्ट्रेस पब्लिक प्लेस पर स्पॉट हुईं और पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह रिवीलिंग ड्रेस में नजर आ रही हैं और ये लोगों को पसंद नहीं आया. इसके बाद मलाइका अरोड़ा को जमकर निशाना बनाया गया है. आइए देखते हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्या पहना था.

मलाइका अरोड़ा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि मलाइका अरोड़ा नजर आ रही हैं और पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने ब्रालेट पहन रखा है और अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. मलाइका अरोड़ा को इस अंदाज में देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस प्यार बरसा रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. एक यूजर ने लिखा है, ये स्टाइल नहीं बेशर्मी है. एक यूजर ने लिखा है, अपनी उम्र का खयाल रखो. एक यूजर ने लिखा है, पॉपुलर होने के लिए कम कपड़े पहनती है. एक यूजर ने लिखा है, ये क्या कपड़े पहन रखे हैं.

राणबीर की रामायण का 4000 करोड़ बजट सुन विवेक अग्निहोत्री को लगा झटका

मशहूर निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर विवाद भी हो रहा है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होते ही तमाम लोग इसकी

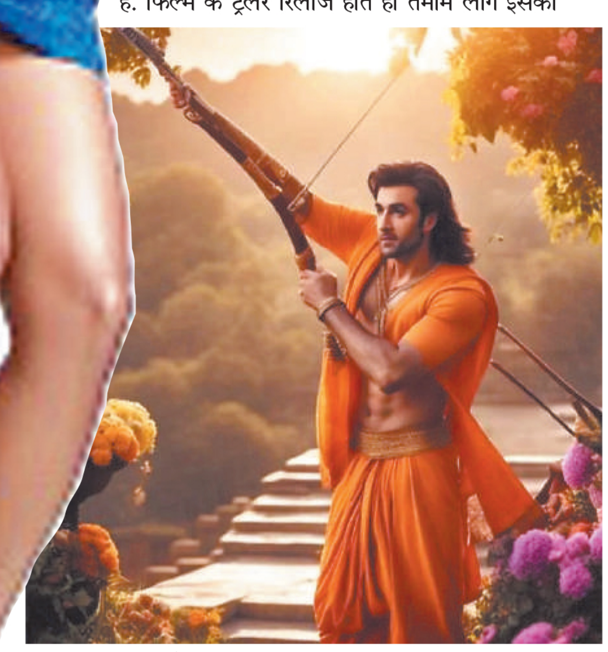

आलोचना कर रहे हैं. इसी बीच विवेक अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के भारी बजट पर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि फिल्म रामायण को लेकर डायरेक्टर ने क्या कहा है.

विवेक अग्निहोत्री ने कही ये बात

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्मीज्ञान से बात करते हुए तमाम मुद्दों पर बात की है. इस दौरान उन्हें बताया गया कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये है. इस फिल्म का बजट सुनकर विवेक अग्निहोत्री को झटका लगा और उन्होंने इस पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने कहा, 4000 करोड़ हिंदी फिल्म का बजट कैसे हो सकता है? डायरेक्टर को बताया गया कि ये फिल्म पूरी दुनिया के हिसाब से बनाई जा रही है. उन्होंने कहा, बन तो हिंदुस्तान में रही है, फिल्म आकाश में तो बन नहीं रही. कितना भी वीएफएक्स करोड़ कैसे हो सकता है. भगवान करे वो फिल्म बने लेकिन मैं हैरान हू. मैं 400 या 800 करोड़ रुपये तक समझ सकता हूं लकिन 4000 करोड़ रुपये कहां खर्च करें वो नहीं समझ पार रहे हैं.

फिल्म रामायण दो पार्ट में होगी रिलीज

बताते चलें कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म के नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण का किरदार निभाने वाले हैं. फिल्म रामायण दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा. फिल्म का पहला पार्ट साल 2026 की दिवाली और दूसरा पार्ट साल 2027 की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा. इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

संडे ऑन साइकिल:

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिया हर रविवार साइकिल चलाने का संदेश

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में हर रविवार संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया जाता है। मुंबई में आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेता जैकी

श्रॉफ मौजूद थे। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान से सभी बच्चों को जुड़ना चाहिए। जब तक हमारे पैर में दम है, हमारा कदम आगे बढ़ सकता है। बच्चों को फोन, लैपटॉप सब चलाना चाहिए, लेकिन अपने शरीर के लिए उन्हें फिट इंडिया अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अगर मजबूत होंगे तो हमारा राष्ट्र मजबूत होगा। हम सभी बच्चों को प्रेरित करने के लिए ही यहां आए हैं। युवाओं को कसरत, साइकिलिंग, योगा करना चाहिए। जान है तो जहान है। हर रविवार को साइकिलिंग करना चाहिए। यह हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। रक्षा खडसे ने कहा, मनसुख मांडविया के विजन के साथ पिछले एक साल से देशभर के अलग-अलग हिस्सों में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होता है। रविवार को मैंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

रिजवान सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था। हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ?रेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे विवादास्पद करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी - यह तो बस शुरुआत है।

No Entry 2:

दिलजीत दोसांझ ने नो एंट्री 2 को क्यों कहा अलविदा? सामने आई असली वजह

सलमान खान की फिल्म नो एंट्री के सीक्वल से पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ बाहर हो चुके हैं. वरुण धवन और अर्जुन कपूर की इस मूवी में दिलजीत भी नजर आने वाले थे, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं. इसके पीछे की वजह का खुलासा खुद एक्टर ने किया है. बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नो एंट्री 2 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे. इस फिल्म के लिए वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ दिलजीत दोसांझ का नाम भी फाइनल हुआ था, लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत इस मूवी का हिस्सा नहीं रहेंगे. ऐसे में अब एक्टर के फैंस यह जानना चाहते हैं कि, आखिर क्यों उन्हें ये बड़ा फैसला लेना पड़ा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इस साल अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन दिलजीत दोसांझ का शेड्यूल इस दौरान बिल्कुल भी क्लियर नहीं है. दरअसल, 26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दिलजीत ऑस्ट्रेरिया और न्यूजीलैंड में अपने इंटरनेशनल टूर में बिजी रहेंगे. इसके अलावा उनके पास कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिसकी वजह से वह शूटिंग डेट्स एडजस्ट नहीं कर पाए. खबरों के मुताबिक, जुलाई में ही पहली बार दिलजीत के फिल्म से अलग होने की चर्चा शुरू हुई थी. इसके बाद बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात कर शेड्यूल एडजस्ट करने की कोशिश भी की. क्योंकि मेकर्स चाहते थे कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा बने रहें, लेकिन आखिर में दोनों तरफ से आपसी सहमति के साथ ये फैसला लिया गया कि दिलजीत फिल्म नहीं करेंगे.अब कौन होगा No Entry 2 में तीसरा एक्टर? दिलजीत दोसांझ के फिल्म से बाहर होने के बाद अब मेकर्स की मुश्किल ये है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ तीसरे एक्टर की तलाश करनी होगी. दिलजीत के बाहर होने से फिल्म के काम में थोड़ी देरी भी हो सकती है.

जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

297 प्रतिशत की वृद्धि

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे

ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।

जय शाह क्या बोले

आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा, ''यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूएस ओपनः

दर्द से जूझते हुए जीते जोकोविच

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे। नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे। देश के इतिहास में पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमारे चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी क्वालीफाई कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी वे सभी फाइनल में पहुंचेंगे। पिछली बार भी चार खिलाड़ी थे लेकिन रोहित यादव चोटिल हो गए थे और भाग नहीं ले पाए थे। और वे सभी फाइनल में शीर्ष छह में थे। एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

यूएस ओपन

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरीः टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है। क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था। सोराना क्रिस्टी अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में 11वीं रैंकिंग वाली कैरोलिना मुचोवा से हार गई थी। उन्हें चेक रिपब्लिक की मुचोवा ने 7-6, 6-7, 6-4 से हराया।

एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025-26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है।

टिम साइफर्ट ने ठोका CPL के इतिहास का सबसे तेज शतक

94 रन तो सिर्फ चौके-छक्के से बनाए, तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 30 साल के बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने CPL 2025 में बड़ा धमाका किया है. उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक ठोकते हुए इस मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है. अब दोनों के नाम CPL में सबसे तेज 40 गेंदों पर शतक ठोकने का रिकॉर्ड दर्ज है.

टिम साइफर्ट ने सबसे तेज शतक के मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी 31 अगस्त को एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में की. वो इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे थे. साइफर्ट ने अपना शतक 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमाया, जिसके बाद उनकी टीम तो जीती ही, साथ ही उससे जुड़े 3 बडे रिकॉर्ड भी टूटे.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे. जवाब में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे टिम साइफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे जता दिए. वो एक बार जो क्रीज पर आए तो फिर मैच जिताकर ही गए.

94 रन सिर्फ चौके-छक्के से, 40 गेंदों में किया शतक पूरा

टिम साइफर्ट की कुल इनिंग 53 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 9 छक्के और 10 चौके लगाते हुए अपनी इनिंग के कुल 94 रन बाउंड्रीज से बनाए. 125 रन की इस पारी के दौरान टिम साइफर्ट ने अपना शतक 40वीं गेंद पर सिंगल के साथ पूरा किया. ये CPL में टिम साइफर्ट का पहला शतक है. जबकि, उनके टी-20 करियर का ये चौथा शतक है. टिम साइफर्ट की विस्फोटक पारी की बदौलत उनकी टीम सेंट लुसिया किंग्स ने मुकाबला 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत लिया. मतलब, उसने 6 विकेट से मैदान मारा. अब टीम के इस मैदान मारने के दौरान टिम साइफर्ट ने उससे रिलेटेड 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए.

टिम साइफर्ट ने तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

टिम साइफर्ट ने पहला रिकॉर्ड सेंट लुसिया किंग्स के लिए एक पारी में बाउंड्रीज से सबसे ज्यादा रन बनाने का तोड़ा. उन्होंने 94 रन बनाते हुए इस मामले में फाफ डु प्लेसी के 82 रन का रिकॉर्ड तोड़ा. इसके अलावा टिम साइफर्ट सेंट लुसिया किंग्स के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं. 125 रन की पारी खेलकर इस मामले में उन्होंने फाफ डु प्लेसी के ही 120 रन का रिकॉर्ड तोड़ा. इसके अलावा तीसरा रिकॉर्ड उन्होंने एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का तोड़ा. सेंट लुसिया किंग्स के लिए एक इनिंग में वो सबसे ज्यादा 9 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. पहले ये रिकॉर्ड 8 छक्कों के साथ काइरन पोलार्ड के नाम था.

World Athletics Championship:

नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, AFI प्रवक्ता को देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं।

हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने रविवार को स्पष्ट किया कि एशियाई चैम्पियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है।नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं।

हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। विश्व एथलेटिक्स ने हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई (सेक्स-डिटर्मिनिंग रीजन वाई) जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं। उन्होंने नंदिनी को हटाये जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, तीसरी बात, यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया जा सकता। विश्व एथलेटिक्स के गोपनीयता नियम होते हैं।

ये पटका, वो मारा...लियोनेल मेसी के साथियों ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई वाली लड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लीग्स कप के फाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को सिएटल साउंडर्स ने 3-0 से करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी से उन्हें दूर कर दिया। मैच से पहले इंटर मियामी को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन सिएटल साउंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया। इस मुकाबले के बाद एक बड़ा घटना भी हुई, जहां दोनों टीमों के खिलाफ आपस में ही भिड़ गए और फुटबॉल के मैदान को डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में बदल दिया। मैच के बाद हुई घटना ने सबको चौंका दिया। हार से गुस्साए लुइस सुआरेज ने 20 साल के खिलाड़ी ओबेद वर्गास के साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिएटल के खिलाड़ी जब अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, तब सुआरेज ने वर्गास को पकड़कर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को मुक्के भी मारे। खबरों के अनुसार, सुआरेज का गुस्सा यही शांत नहीं हुआ। जब उन्हें वहां से ले जाया जा रहा था, तब उन्होंने सिएटल साउंडर्स के सहायक कोच से भी बहस की और उनके चेहरे पर थूक दिया। सुआरेज का यह व्यवहार खेल भावना के खिलाफ था और इसकी काफी निंदा की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने का आह्वान किया

» तियानजिन (चीन), भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पहलगाम में हुआ भयावह आतंकवादी हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर आघात है, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले प्रत्एक राष्ट्र के लिए एक खुली चुनौती भी है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने की जोरदार वकालत की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और वैश्विक नेताओं की उपस्थिति में मोदी ने वार्षिक शंघाई सहयोग संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है। पाकिस्तान और इसका (आतंकवाद का) समर्थन करने वालों को स्पष्ट संदेश देते हुए मोदी ने कहा, यह पूछना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें कभी स्वीकार्य हो सकता है?उन्होंने कहा, हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। हमें मिलकर, हर रूप और अभिव्यक्ति में आतंकवाद का विरोध करना चाहिए। यह मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो दस मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुई। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। उन्होंने कहा, कई माताओं ने अपनी संतानें खो दीं और कई बच्चे अनाथ हो गए। हाल में हमने पहलगाम में आतंकवाद का एक बेहद घृणित रूप देखा। उन्होंने कहा, यह हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर एक आघात था, बल्कि यह हर उस देश, हर उस व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती था जो मानवता में विश्वास रखता है। मोदी ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ खड़े होने वाले मित्र देशों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने समूह के प्रति भारत के दृष्टिकोण और नीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शंघाई सहयोग संगठन के संक्षित नाम एससीओ का नया अर्थ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया, एससीओ के एस का अर्थ है सिक्योरिटी यानी सुरक्षा, सी का अर्थ है कनेक्टिविटी यानी संपर्क और ओ का अर्थ है ऑपचुनिटी यानी अवसर। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव हैं। हालांकि, आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां बने हुए हैं। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न केवल व्यक्तिगत राष्ट्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। उन्होंने कहा, कोई भी देश, कोई भी समाज, कोई भी नागरिक खुद को इससे पूरी तरह सुरक्षित नहीं मान सकता। इसीलिए भारत ने लगातार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकता के महत्व पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी (संपर्क) के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि संपर्क के हर प्रयास में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना

चाहिए। यह एससीओ चार्टर के मूल सिद्धांतों में भी निहित है। उन्होंने कहा, संप्रभुता को दरकिनार करने वाली कनेक्टिविटी विश्वास और अर्थ खो देती है। इन टिप्पणियों को चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के अप्रत्यक्ष संदर्भ में माना जा रहा है। भारत इसका विरोध करता रहा है क्योंकि इस परियोजना का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। प्रधानमंत्री ने एससीओ के अंतर्गत एक सभ्यता संवाद मंच के निर्माण का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, ऐसा मंच हमें अपनी प्राचीन सभ्यताओं, कला, साहित्य और परंपराओं की समृद्धि को वैश्विक मंच पर साझा करने का अवसर प्रदान करेगा।

मोदी ने पुतिन से मुलाकात की, यूक्रेन संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान किया

तियानजिन (चीन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सोमवार को कहा कि यूक्रेन संघर्ष को यथाशीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। मोदी और पुतिन ने चीनी बंदरगाह शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर बातचीत की। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब भारत एवं अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक के संभवत- सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति और उनके प्रशासन द्वारा भारत की लगातार आलोचना किए जाने के कारण संबंधों में तनाव बढ़ गया है। भारत द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया तथा इन क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर आगे बढने पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा, हम यूक्रेन में शांति लाने के सभी हालिया प्रयासों का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मानवता का आह्वान है कि संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए और क्षेत्र में स्थाई शांति लाने के तरीके खोजे जाएं। मोदी ने कहा कि भारत रूसी नेता का स्वागत करने का इंतजार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ शिखर वार्ता के लिए पुतिन दिसंबर में भारत आने वाले हैं। मोदी ने कहा कि भारत और रूस कठिन समय में भी हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़े हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने यूक्रेन से संबंधित ताजा घटनाक्रम सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। उसने कहा, प्रधानमंत्री ने यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए हाल में की गई पहलों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने एवं एक स्थाई शांति समझौता करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुतिन ने मोदी को अपनी लिमोजीन कार में दी लिफ्ट, चीन में द्विपक्षीय वार्ता स्थल तक साथ पहुंचे

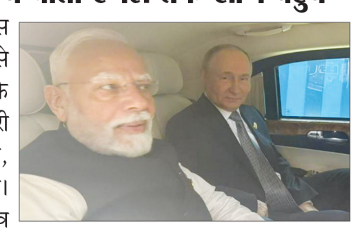

तियानजिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी ऑरस लिमोजीन कार में लिफ्ट दी और दोनों नेता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता स्थल तक साथ पहुंचे। रूस के राष्ट्रीय रेडियो स्टेशन वेस्तीएफएम की खबर के अनुसार, पुतिन की लिमोजीन से होटल पहुंचने के दौरान रास्ते में दोनों नेताओं के बीच बातचीत जारी रही। होटल में दोनों नेता अपनी अपनी टीम के सदस्यों के साथ एक दूसरे से मिलने वाले थे। हालांकि, होटल पहुंचने पर वे रूसी राष्ट्रपति की लिमोजीन से नहीं उतरे और 50 मिनट तक बातचीत करते रहे। बाद में, क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों नेताओं ने कार में लगभग एक घंटे तक आमने-सामने की बातचीत की। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिमोजीन के अंदर अपनी और रूस के राष्ट्रपति की एक तस्वीर भी साझा की। मोदी ने कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ पहुंचे। उनके साथ बातचीत हमेशा सार्थक होती है। मॉस्को में जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन के बीच शायद यह सबसे महत्वपूर्ण विशेष बातचीत थी, जिसमें उन्होंने संभवतः ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जिसकी जानकारी किसी और को नहीं हुई। अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, मोदी ने पुतिन को बताया कि यूक्रेन संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करना मानवता का आह्वान है।

एससीओ शिखर सम्मेलन में पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

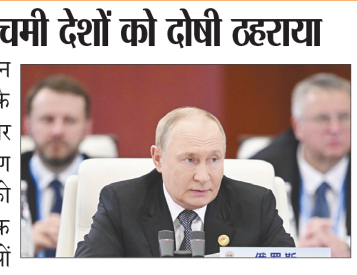

तियानजिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास यूक्रेन के साथ संघर्ष के मुख्य कारणों में से एक हैं। रूसी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, पुतिन ने दावा किया कि यह संकट मुख्यतः 2014 में यूक्रेन में हुए तख्तापलट के कारण उत्पन्न हुआ, जिसे पश्चिम के दशों ने उकसाया था। उन्होंने कहा, संकट का दूसरा कारण यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास हैं। जैसा कि हम बार-बार जोर देते रहे हैं कि यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। फरवरी 2014 में यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रदर्शनकारियों और सरकारी बलों के बीच घातक झड़पों के परिणामस्वरूप तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को पद से हटा दिया गया था। रूस के राष्ट्रपति के अनुसार, 2014 में हुए तख्तापलट के कारण देश के उस राजनीतिक नेतृत्व को हटा दिया गया जिसने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का समर्थन नहीं किया था। पुतिन रविवार को 10 सदस्ईय एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां पहुंचे। बाद में उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा आयोजित उद्घाटन भोज में भाग लिया। एससीओ शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति से रूस-यूक्रेन संघर्ष, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम के असफल प्रयासों और रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी शुल्क लगाने के दबाव जैसे विषयों पर ध्यान आकृष्ट हुआ। एससीओ की स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में हुई थी। शुरुआत में इसमें छह देश शामिल थे रूस, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसमें शामिल हुए। इसके बाद 2023 में ईरान और 2024 में बेलारूस इसमें शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी सार्थक चीन यात्रा पूरी कर स्वदेश रवाना

तियानजिन, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की सार्थक यात्रा पूरी करने के बाद सोमवार को स्वदेश रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित विश्व के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। मोदी दो देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में यहां आए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने यहां प्रमुख वैश्विक मुद्दों को लेकर भारत के रुख पर जोर दिया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, चीन की सार्थक यात्रा का समापन हुआ, जहां मैंने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया और विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ बातचीत की। साथ ही प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत के रुख पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रपति शी, चीन सरकार और देश की जनता के आभारी हैं। मोदी की चीन यात्रा सात साल के अंतराल के बाद हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में सोमवार को कहा कि पहलगाम में हुआ भयावह आतंकवादी हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर आघात है, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले प्रत्एक राष्ट्र के लिए एक खुली चुनौती भी है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने की जोरदार वकालत की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और वैश्विक नेताओं की उपस्थिति में मोदी ने वार्षिक शंघाई सहयोग संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है। प्रधानमंत्री ने समूह के प्रति भारत के दृष्टिकोण और नीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शंघाई सहयोग संगठन के संक्षित नाम एससीओ का नया अर्थ प्रस्तुत किया।

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने साधा निशाना

ब्राह्मण भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे है

» न्यूयॉर्क, भाषा।

रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर एक बार फिर निशाना साधते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि ब्राह्मण भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है। नवारो ने फॉक्स न्यूज संडे से एक साक्षात्कार में कहा, देखिए (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि भारतीय नेता किस तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ सहयोग कर रहे हैं। नवारो ने कहा, तो मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा, भारतीय जनता कृपया समझिए कि यहां क्या हो रहा है। आपके पास ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है। नवारो व्यापार तथा शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में आई गिरावट के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं।

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। भारत ने उस पर लगाए गए शुल्क को अनुचित और विवेकहीन बताया है। नवारो से चीन द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर सवाल किया गया था। उनसे इस बारे में भी सवाल पूछा गया था कि क्या भारत पर अतिरिक्त शुल्क लागू करना पुतिन को घुटने टेकने के लिए मजबूर करने के वास्ते पर्याप्त है। इस पर उन्होंने कहा, खैर, साफ कहें तो हमने अब भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, लेकिन चीन पर भी 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक शुल्क है। तो

सवाल यह है कि आप वास्तव में खुद को नुकसान पहुंचाए बिना कितना अधिक शुल्क लगाना चाहते हैं? नवारो ने कहा कि फरवरी 2022 में पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण से पहले भारत रूसी तेल नहीं खरीदता था और उसकी खरीद बहुत, बहुत कम मात्रा में होती थी। उन्होंने कहा, फिर क्या हुआ? खैर, रूसी रिफाइनरों ने भारत में बड़ी तेल कंपनियों के साथ साठगांठ की। पुतिन, मोदी को कच्चे तेल पर छूट देते हैं। वे इसे संशोधित करते हैं और फिर यूरोप, अफ्रीका तथा एशिया को ऊंचे दाम पर बेचते हैं तथा वे ढेर सारा पैसा कमाते हैं। नवारो ने कहा, अब, उस परिदृश्य में क्या गलत है? उन्होंने कहा कि इससे रूसी युद्ध मशीन को ईंधन मिलता है और भारत क्रेमलिन के लिए सिर्फ तेल धन शोधन केंद्र बन गया है। रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की परिस्थितियों से प्रेरित है। यूक्रेन पर हमले के बाद जब से पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाए हैं तब से रूस भारत का शीर्ष ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बन गया है। नवारो ने पहले यूक्रेन संघर्ष को मोदी का युद्ध बताया था और कहा था कि शांति का मार्ग आंशिक रूप से नई दिल्ली से होकर गुजरता है।

हूती प्रधानमंत्री व अन्य सरकारी अधिकारियों की इजराइल के हमले में मौत, यमन में शोक की लहर

» अदन (यमन), भाषा।

राजधानी सना में सोमवार सुबह सैकड़ों लोगों ने हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी के निधन पर शोक व्यक्त किया। बृहस्पतिवार को इजरायली हवाई हमले में कई मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ उनकी मौत हो गई थी। शाब मस्जिद में आयोजित हूती अधिकारियों के अंतिम संस्कार के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम का हूती-नियंत्रित उपग्रह समाचार चैनल अल-मसीरा टीवी द्वारा प्रसारण किया गया। मस्जिद के अंदर जहां जनाजे की नमाज पढ़ी गई, वहां भीड़ ने इजराइल और अमेरिका के खिलाफ नारे लगाए तथा विदेश मामलों, मीडिया और संस्कृति तथा औद्योगिक मंत्रियों सहित अधिकारियों की मौत पर शोक व्यक्त किया। अंतिम संस्कार में शामिल अहमद खालिद और फथी महमूद ने बताया कि अधिकारियों के परिवार अंतिम संस्कार के लिए एम्बुलेंस में पहुंचे।

शवों को मस्जिद के अंदर ताबूत में रखा गया था।मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति अहमद आजम ने बताया, हम इस अंतिम संस्कार में भाग ले रहे हैं, क्योंकि इजराइल ने उन अधिकारियों को मार डाला था और यही उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने का पर्याप्त कारण है। अल-रहावी, ईरान समर्थित विद्रोही समूह के खिलाफ इजराइल-अमेरिकी अभियान में मारे गए सबसे वरिष्ठ हूती अधिकारी थे। बयान में बिना कोई विवरण दिए कहा गया कि अन्य मंत्री और अधिकारी घायल हुए हैं। हूतियों ने पहले एक बयान में कहा था कि अधिकारियों को सरकार द्वारा पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित एक नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया था। कार्यवाहक हूती प्रधानमंत्री मोहम्मद मुफ़्ताह ने सोमवार को अंतिम संस्कार के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, हम एक बड़े और प्रभावशाली युद्ध में शामिल हो गए और अमेरिका से भिड़ गए। यह युद्ध न केवल सैन्य-केंद्रित था, बल्कि आर्थिक भी था क्योंकि इजराइल ने हर चीज को निशाना बनाया। उन्होंने पुष्टि की कि इजराइली हमलों के बावजूद बंदरगाह अब भी काम कर रहे हैं और खाद्य या ईंधन का कोई संकट नहीं है।हूतियों द्वारा इजराइल की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के तीन दिन बाद 24 अगस्त को हमला हुआ, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह 2023 के बाद पहला क्लस्टर बम हमला था। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के तट पर एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी है, जिससे इस अहम वैश्विक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर उनके हमले फिर से शुरू होने की आशंका है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकर पर मिसाइल दागी

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के तट पर एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी है, जिससे इस अहम वैश्विक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर उनके हमले फिर से शुरू होने की आशंका है। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने हूतियों के नियंत्रण वाले उपग्रह समाचार चैनल अल-मसिरा पर प्रसारित पहले से रिकॉर्ड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जहाज स्कारलेट रे को निशाना बनाया गया, उसका संबंध इजराइल से है। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका। ब्रिटिश सेना के पश्चिम एशिया में नौवहन पर नजर रखने वाले यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने पहले बताया कि एक जहाज ने यनबू (सऊदी अरब) के पास तट पर पानी में धमाके की आवाज सुनी। नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच हूतियों ने गाज़ा पट्टी में इज़राइल-हमास युद्ध के कारण 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। हूतियों ने अब तक चार जहाज डुबोए और कम से कम आठ नाविकों की हत्या की।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरकोरियाई नेता ने चीन की यात्रा से पहले नए मिसाइल कारखाने का निरीक्षण किया

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, जो मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है।

चीन और उत्तर कोरिया दोनों ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि किम छह साल बाद पहली बार चीन जाएंगे और बुधवार को बीजिंग में आयोजित होने वाली सैन्य परेड में शामिल होंगे। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और जापानी आक्रामकता के विरुद्ध चीन के प्रतिरोध की 80वीं वर्षगांठ पर हो रही है। इस परेड में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा आमंत्रित 26 विदेशी नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं। पुतिन को यूक्रेन पर हमले में किम का बड़ा समर्थन मिला है। बीजिंग की यह परेड अमेरिका के दक्षिण कोरिया और जापान के साथ सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के प्रयासों के खिलाफ तीनों देशों की नजदीकी को प्रदर्शित करेगी। दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकल लगाई गई है कि किम सोमवार को ट्रेन से चीन रवाना हो सकते हैं।

प्राकृतिक आपदा | कुनार प्रांत के कई शहरों में 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में आठ सौ लोगों की मौत, ढाई हजार घायल, कई गांव तबाह हुए

» काबुल, भाषा।

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता यह जानकारी दी। भूकंप के बाद परेशान अफगानी लोग रात के अंधेरे में भी मलबे में अपने लापता प्रियजनों की तलाश करते रहे। पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

फुटेज में दिखाया गया कि बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से निकाल कर स्ट्रेचर की मदद से हेलिकॉप्टरों में ले जा रहे हैं, जबकि लोग हाथों से मलबे को हटाने में लगे हुए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मरने वालों की संख्या बढकर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज़्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं।अफग़ानिस्तान में इमारतें आमतौर पर कम ऊंचाई वाली होती हैं, जो ज़्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी होती हैं, जबकि ग्रामीण और दूर-दराज़ के इलाकों में घर कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने होते हैं। कई मकानों की गुणवत्ता घटिया है। कुनार के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक नर्गल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव खत्म हो गया है। ग्रामीण ने बताया, बच्चे मलबे के नीचे दबे हैं। बुजुर्ग मलबे के नीचे हैं। युवा मलबे के नीचे दबे हैं। उसने गुहार लगाई, हमें यहां मदद की जरूरत है। पूर्वी अफग़ानिस्तान पहाड़ी क्षेत्र है और दूरदराज के इलाकों से घिरा है। भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बिगड़ गई है। घटना में जीवित बचे एक व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी आंखों के सामने घरों को ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते-चिल्लाते देखा। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत ज़मान ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल क्षेत्र में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में हताहतों की संख्या अभी पता नहीं चल पाई है और मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ने के साथ ही इन आंकड़ों में बदलाव की आशंका है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, लोगों की जान बचाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। पड़ोसी देश पाकिस्तान से निकटता और दोनों देशों के बीच सीमा पार का एक प्रमुख केंद्र होने के कारण जलालाबाद एक चहल-पहल वाला व्यापारिक शहर है। नगरपालिका के अनुसार, इसकी आबादी लगभग 3,00,000 है, लेकिन इसका महानगरीय क्षेत्र कहीं ज़्यादा बड़ा माना जाता है। जलालाबाद में खेती भी काफी होती है, जिसमें खट्टे फल और चावल शामिल हैं तथा काबुल नदी इसी शहर से होकर बहती है। सात अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज़ झटके भी महसूस किए गए थे। तालिबान सरकार का अनुमान है कि इस भूकंप में कम से कम 4,000 लोग मारे गए। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या काफ़ी कम लगभग 1,500 बताई थी। यह हाल के दिनों में अफग़ानिस्तान में आई सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा थी।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने नए नागरिकों से समाज में योगदान देने का आग्रह किया

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए नागरिकों से देश के 60 लाख लोगों के समुदाय में सक्रिय रूप से भाग लेकर समाज में योगदान देने का आह्वान किया है। अगस्त में आयोजित राष्ट्रीय नागरिकता समारोह में वोंग ने कहा कि नए नागरिक अपने पड़ोसियों को जानकर और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ संबंध बेहतर करके भी ऐसा कर सकते हैं। इस समारोह में 300 नए नागरिकों को सिंगापुर की नागरिकता के प्रमाणपत्र प्राप्त हुए। समारोह में नए नागरिकों ने सिंगापुर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए साथी सिंगापुरवासियों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। मानव संसाधन की कमी और एक प्रतिशत से भी कम स्थानीय जन्म दर के साथ सिंगापुर हर साल लगभग 22,000 नए नागरिकों को स्वीकार करता है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स ने वोंग के हवाले से बताया, सक्रिय रूप से भाग लेकर आप न केवल नाम से बल्कि आत्मा और हृदय से भी सिंगापुर के नागरिक बनेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक बनना सिंगापुरवासियों के साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता है। उन्होंने बहुसंस्कृतिवाद को एक प्रमुख मूल्य बताते हुए कहा कि हमारा देश विभिन्न जातियों, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों से बना है। उन्होंने कहा, विभिन्नताओं को हमने विभाजित करने देने के बजाय विविधता को एक ताकत के रूप में अपनाने का विकल्प चुना है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,